

भारत के राजपत्र असाधारण के भाग-I खंड-I में प्रकाशनार्थ

फा.सं. 22/01/2025-डीजीटीआर

भारत सरकार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

व्यापार उपचार महानिदेशालय

चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग,

5 संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

दिनांक: मई-2026

अंतिम जांच परिणाम

मामला संख्या: - (एसजी)-01/2025

विषय: भारत-कोरिया व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (द्विपक्षीय रक्षोपाय) नियमावली, 2017 के तहत कोरिया गणराज्य से डायोक्जिल टेरैफ्थालेट (डी ओ टी पी) और डायथिलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन (डी ई एच सी एच) के रूप में गैर-थैलेट प्लास्टिसाइज़र के आयात के संबंध में द्विपक्षीय रक्षोपाय जांच

भारत-कोरिया व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (द्विपक्षीय रक्षोपाय) नियमावली, 2017 (जिसे इसके बाद "द्विपक्षीय रक्षोपाय नियमावली" या "नियमावली" कहा गया है) और व्यापक आर्थिक सहयोग करार ("सीईपीए" या "करार") को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. केएलजे प्लास्टिसाइज़र्स लिमिटेड (जिसे यहां आगे "आवेदक" या "घरेलू उद्योग" कहा गया है) ने कोरिया गणराज्य (जिसे आगे "कोरिया गणराज्य" या "संबद्ध देश" कहा गया है) डायोक्जिल टेरैफ्थालेट (डी ओ टी पी) और डायथिलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन (डी ई एच सी एच) (जिसे यहां आगे "विचाराधीन उत्पाद" या "संबद्ध सामान" कहा किया गया है) के रूप में गैर-थैलेट प्लास्टिसाइज़र्स के आयातों पर प्रशुल्क रियायतों की वापसी के लिए द्विपक्षीय रक्षोपाय जांच की शुरुआत और सिफारिश के लिए सीईपीए और नियमावली के अनुसार व्यापार उपचार महानिदेशक (जिसे आगे "महानिदेशक" भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन-पत्र दायर किया।

2. और जबकि, आवेदक द्वारा विधिवत प्रमाणित आवेदन-पत्र को देखते हुए, महानिदेशक ने भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित अधिसूचना संख्या 22/01/2025-डीजीटीआर द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसमें नियम 4 के तहत जांच शुरू की गई कि क्या संबद्ध सामान "बढ़े हुए आयात" हैं, और क्या इससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, और क्या द्विपक्षीय रक्षोपाय लगाए जाने की आवश्यकता है (और यदि हां, तो उसकी अवधि)।

ख. प्रक्रिया

3. जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

3.1 जांच की शुरुआत

- क. महानिदेशक ने जांच शुरू करने की सार्वजनिक सूचना जारी की और इसे भारत के राजपत्र, असाधारण, दिनांक 30 सितंबर 2025 में प्रकाशित किया गया था।
- ख. महानिदेशक ने कोरिया गणराज्य की सरकार को भारत में उसके दूतावास के माध्यम से, संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं, घरेलू उद्योग तथा आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार अन्य घरेलू उत्पादकों को जांच की शुरुआत की अधिसूचना की प्रति भेजी और उनसे अनुरोध किया कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित में अपने ज्ञात विचार दें।

3.2 आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर का परिचालन

- क. महानिदेशक ने नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और कोरिया गणराज्य की सरकार को भारत में उनके दूतावास के माध्यम से आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति उपलब्ध कराई। आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति, जहां भी अनुरोध किया गया था, अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई।

3.3 उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रतिभागिता

- क. महानिदेशक ने कोरिया गणराज्य में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को द्विपक्षीय रक्षोपाय जांच शुरुआत की सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें निर्धारित प्रपत्र और तरीके में प्रश्नावली का उत्तर दायर करके संगत सूचना प्रदान करने और

नियमावली के नियम 5(4) के अनुसार तीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचार देने का अवसर प्रदान किया:

- i. एक्युंग केमिकल कंपनी लिमिटेड
- ii. कैनको मार्केटिंग इंक.
- iii. केमबड कारपोरेशन
- iv. एवरलाइट कोरिया लिमिटेड
- v. हान्वा सॉल्यूशंस कारपोरेशन (हान्वा)
- vi. ह्यूमेड कारपोरेशन
- vii. ह्यासुंग नेटवर्क्स कंपनी लिमिटेड
- viii. जियर शिन कोरिया कंपनी लिमिटेड
- ix. ज्वेल ग्लोबल कंपनी लिमिटेड
- x. कोस्पोल कंपनी लिमिटेड
- xi. एलजी केम कंपनी लिमिटेड
- xii. मिनजिन कारपोरेशन लिमिटेड
- xiii. एनएच इंटरनेशनल कारपोरेशन
- xiv. पैरान कंपनी लिमिटेड
- xv. एसएंडसी कारपोरेशन
- xvi. यूनिड ग्लोबल कारपोरेशन
- xvii. जेनीकेम ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड

ख. संबद्ध जांच की शुरुआत के उत्तर में, संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर दायर करके प्रतिक्रिया दी है:

- i. एलजी केम कंपनी लिमिटेड
- ii. ऐक्युंग केमिकल कंपनी लिमिटेड

3.4 प्रयोक्ताओं/आयातकों द्वारा प्रतिभागिता

क. महानिदेशक ने नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयातक और प्रयोक्ता प्रश्नावलियां भेजी, जिसमें उनसे निर्धारित प्रपत्र और तरीके से आवश्यक सूचना देने तथा तीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने ज्ञात विचार देने को कहा गया:

- i. एक्मेसेफ्टी वियर्स लिमिटेड
- ii. अजंता शूज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

- iii. अक्षत प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड
- iv. आमोन-रा इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड
- v. एक्वालाइट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
- vi. अरोमा ऑर्गेनिक्स लिमिटेड
- vii. अशोक इंटरप्राइजेज
- viii. अशोका मार्केटिंग एजेंसियां
- ix. बीटा पॉली कोट्स प्राइवेट लिमिटेड
- x. सी जे शाह एंड कंपनी
- xi. सेयेनार केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
- xii. कोकोटफ्टर्स प्राइवेट लिमिटेड
- xiii. दीपक ओवरसीज
- xiv. दोशी एंटरप्राइज
- xv. डाइकॉन केमिकल्स
- xvi. जी एम टेक्नोकेम प्राइवेट लिमिटेड
- xvii. गोल्डन कॉयर टफ्ट्स
- xviii. हैवेल्स इंडिया लिमिटेड
- xix. हाइट बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड
- xx. हनीवाणिज्य प्राइवेट लिमिटेड
- xxi. हवासुंग मटीरियल्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
- xxii. इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
- xxiii. जेपी डाईकेम प्राइवेट लिमिटेड
- xxiv. करामत टैनिंग इंडस्ट्रीज
- xxv. केराफाइबरटेक्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड
- xxvi. केया एंटरप्राइजेज
- xxvii. केजी पेट्रोकेम लिमिटेड
- xxviii. क्लासिक लैमिटेक्स प्राइवेट लिमिटेड
- xxix. एलएपीपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- xxx. महावीर पॉलीफिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड
- xxxi. मैकवेल प्लास्टिसाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड
- xxxii. मानिक रबर
- xxxiii. मनीष विनाइल्स प्राइवेट लिमिटेड
- xxxiv. मान्या इंटरनेशनल
- xxxv. मार्वल विनाइल्स
- xxxvi. मयितारा होम डेकोर प्राइवेट लिमिटेड

- xxxvii. मयूर यूनिकोटर्स लिमिटेड
- xxxviii. न्यूएज फायर प्रोटेक्शन इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
- xxxix. निर्मल फाइबर्स प्राइवेट लिमिटेड
- xl. नॉर्दर्न इंडिया लेदर क्लॉथ मैनुफैक्चरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
- xli. पैरागॉन पॉलीमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
- xlii. पटकर एक्सट्रूजन्स प्राइवेट लिमिटेड
- xliii. पॉलीमेडिकयोर लिमिटेड
- xliv. प्रभात इंडस्ट्रीज
- xlv. प्रीमियर पॉलीफ़िल्म लिमिटेड
- xlvi. पीवीसी कन्वर्टर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- xlvii. क्यूरेक्स फ्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड
- xlviii. आआर केबल लिमिटेड
- xlix. राजशिला सिंथेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
- I. रिलैक्सो फुटवेयर्स लिमिटेड
- li. रिस्पॉन्सिव इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- lii. शाकंबरी एंटरप्राइजेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
- liiii. शकुन पॉलीमर्स प्राइवेट लिमिटेड
- liv. श्री दुर्गा टेक्सकोट प्राइवेट लिमिटेड
- lv. श्री गणेश एगो फूड्स
- lvi. सिग्मा एल्ड्रिच केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
- lvii. सिल्वरटोन्स स्पेशलिटी टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड
- lviii. सोनारजी प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड
- lix. एसआर पॉलीविनाइल लिमिटेड
- lx. एसएसएफ पॉलीमर्स लिमिटेड
- lxi. त्रावणकोर कोकोटफ्ट प्राइवेट लिमिटेड
- lxii. टफको इंटरनेशनल
- lxiii. यू के बी इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
- lxiv. विकास ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
- lxv. विनाइल प्रोडक्ट्स
- lxvi. विनर निप्पॉन लेदरेट प्राइवेट लिमिटेड
- lxvii. यशपॉली
- ख. जारी की गई प्रश्नावली के उत्तर में, निम्नलिखित आयातकों/उपभोक्ताओं ने प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं:

- i. डीडीईवी प्लास्टिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- ii. डिलाइट कलेक्शंस प्राइवेट लिमिटेड
- iii. क्लासिक लैमिटेक्स प्राइवेट लिमिटेड
- iv. मयूर यूनिकोटर्स लिमिटेड
- v. पॉली मेडिक्योर लिमिटेड
- vi. पॉलीनोवा इंडस्ट्रीज लिमिटेड

3.5 अन्य घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रतिभागिता

क. महानिदेशक ने विचाराधीन उत्पाद के अन्य ज्ञात भारतीय उत्पादकों को एक प्रश्नावली भेजी, जिसमें निर्धारित प्रपत्र और तरीके से आवश्यक सूचना मांगी गई थी, और उनसे तीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचार देने की मांग की गई थी। महानिदेशक ने निम्नलिखित ज्ञात घरेलू उत्पादकों को उत्पादक प्रश्नावली भेजी। नीचे दिए गए उत्पादकों में से, केवल आवेदक ने ही अपनी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है।

- i. पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड
- ii. पायल प्लास्टिकेम प्राइवेट लिमिटेड
- iii. रचना प्लास्टिसाइजर्स
- iv. विनाइल प्रोडक्ट्स
- v. मार्वल विनाइल्स

3.6 जांच की अवधि

क. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन हेतु सबसे हाल की अवधि के रूप में वित्तीय वर्ष 2024-2025 को माना है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2025 तक की अवधि को जांच अवधि के रूप में माना है।

3.7 आगे की प्रक्रिया

क. क्षति की अवधि और जांच की अवधि के लिए संबद्ध सामानों के आयात का लेनदेन-वार विवरण प्रदान करने के लिए डीजीसीआईएंडएस से आंकड़े उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। महानिदेशक ने आयात की मात्रा की गणना और लेनदेन की उचित जांच के बाद आवश्यक विश्लेषण के लिए डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों पर भरोसा किया है।

- ख नियमावली के नियम 5(6) के अनुसार, महानिदेशक ने हितबद्ध पक्षकारों को 24 फरवरी 2025 को आयोजित एक सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए, उनसे अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त अपने विचारों के लिखित अनुरोध दायर करे और उसके बाद प्रत्युत्तर अनुरोध दायर करें।
- ग. हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डीजीटीआर वेबसाइट पर प्रकाशित की गई थी। हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोधों के अगोपनीय रूपांतर को ईमेल के माध्यम से एक दूसरे के साथ परस्पर सांझा करने की सलाह दी गई थी।
- घ. उत्पादकों, निर्यातकों, प्रयोक्ताओं और आयातकों के साथ-साथ प्रयोक्ता एसोसिएशन सहित निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों की ओर से संबद्ध जांच में अनुरोध दायर किए गए थे:
- i. घरेलू उद्योग
 - ii. कोरिया गणराज्य की सरकार
 - iii. कोरिया केमिकल इंडस्ट्री एसोसिएशन
 - iv. एक्युंग केमिकल कंपनी लिमिटेड
 - v. एलजी केम लिमिटेड
 - vi. हनवा सॉल्यूशंस कॉर्पोरेशन
 - vii. गिरिराज कोटेड फैब प्राइवेट लिमिटेड
 - viii. मयूर यूनिकोटर्स लिमिटेड
 - ix. क्लासिक लैमाइटेक्स प्राइवेट लिमिटेड
 - x. पोलिनोवा इंडस्ट्रीज लिमिटेड
 - xi. बीटा पॉलीकोट्स
 - xii. डिलाइट कलेक्शंस प्राइवेट लिमिटेड
 - xiii. डीडीईवी प्लास्टिक इंडस्ट्रीज लिमिटेड
 - xiv. पॉली मेडिक्योर लिमिटेड
- ड. जांच प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, जहां भी संगत पाए गए हैं, को महानिदेशक द्वारा इन अंतिम जांच परिणामों में हल किया गया है।
- च. महानिदेशक ने जांच प्रक्रिया के दौरान, आवेदक और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की सटीकता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया, जो यथासंभव सीमा और संगत तथा आवश्यक मानी गई सीमा तक, जो इन अंतिम जांच परिणामों का आधार बनती है।

छ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर, महानिदेशक ने जहां भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर प्रदान करने का निर्देश दिया गया था।

ज. वर्तमान जांच परिणामों में ‘****’ गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत सूचना और नियमावली के तहत महानिदेशक द्वारा मानी गई सूचना दर्शाते हैं।

ग. सूचना का स्रोत

4. वर्तमान जांच के लिए जांच की अवधि, जैसा कि जांच की शुरुआत में अधिसूचित किया गया है, 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2025 तक है। सबसे हालिया अवधि वित्तीय वर्ष 2024-2025 है।
5. संबद्ध सामानों के आयात का विवरण प्रदान करने के लिए डीजीसीआईएंडएस से आंकड़े उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। महानिदेशक ने 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2025 तक की अवधि के लिए आयात की मात्रा और मूल्य की गणना के लिए डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों पर भरोसा किया है।
6. भारत और कोरिया ने कुछ वस्तुओं पर सीमा शुल्क को कम करने या समाप्त करने के लिए वर्ष 2009 में एक मुक्त व्यापार समझौता (CEPA) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, विचाराधीन उत्पाद का कोरिया से आयात क्रमिक रूप से कम शुल्क दरों का लाभ प्राप्त करता रहा, और वर्ष 2017 तक मूल सीमा शुल्क पूरी तरह समाप्त कर दिया गया, जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है।

क्र. सं.	वर्ष	सीईपीए के तहत कोरिया गणराज्य के लिए अधिमान्य दर
1	2010	10.94
2	2011	9.38
3	2012	7.81
4	2013	6.25
5	2014	4.69
6	2015	3.13
7	2016	1.56

8	तब से 2017	0.00
---	------------	------

घ. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

घ.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

7. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र और समान वस्तु के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं।
- i. डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच दो अलग-अलग उत्पाद हैं और इन्हें परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग नहीं किया जा सकता है।
 - क. डी ई एच सी में डी ओ टी पी की तुलना में कम चिपचिपाहट होती है जो मिश्रण के समय, फैलाव व्यवहार और मिश्रण दक्षता को प्रभावित करती है। इसके अतिरिक्त, डी ई एच सी एच बेहतर कोल्ड-फ्लेक्स गुणों को दर्शाता है और मानव संपर्क या तेलों और सॉल्वेंट्स के संपर्क में आने वाले कठिन अनुप्रयोगों में अलग-अलग निष्पादन करता है।
 - ख. डी ई एच सी एक मूल्य-वर्धित, निर्यातोन्मुख विशेषता वाला उत्पाद है और सामान्य-उद्देश्य वाले प्लास्टिसाइज़र (डी ओ टी पी) का प्रतिस्पर्धी नहीं है। इसके उपयोग ने फर्श निर्माताओं को भराव लोडिंग बढ़ाने और फॉर्मूलेशन लागत को कम करने की अनुमति दी है, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका और यूरोपीय बाजारों में बेहतर उत्पादन दक्षता और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि हुई है।
 - ग. डायथाइलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन ("डी ई एच सी एच") हनवा का पेटेंट प्राप्त हाइड्रोजनीकृत प्लास्टिसाइज़र है और हनवा ही डी ई एच सी एच का एकमात्र बड़े पैमाने पर निर्माता है। घरेलू उद्योग डी ई एच सी एच का उत्पादन करने में सक्षम नहीं है और उसके पास उत्पादन और वाणिज्यिक बिक्री के लिए उपयुक्त तकनीक नहीं है।
 - घ. डी ई एच सी का उत्पादन डी ओ टी पी के उत्पादन के बाद हाइड्रोजन मिलाकर किया जाता है।
 - ड. डी ई एच सी और डी ओ टी पी अलग-अलग उत्पाद हैं, जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि डी ई एच सी की रासायनिक संरचना में सुगंधित रिंग नहीं होती है और डी ओ टी पी की तुलना में कम चिपचिपाहट प्रदर्शित करती है, जिससे प्रोसेसर चिपचिपाहट कम करने वाले की मात्रा को कम कर सकते हैं और भराव लोडिंग बढ़ा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, डी ई एच सी एच डी ओ टी पी की तुलना में काफी कम प्रवासन दर्शाता है।

- च. डी ई एच सी फ्थालेट संरचनाओं से मुक्त है और यूरोपीय संघ के आरओएचएस, आरईएसीएच (गैर-एसवीएचसी), और यूएस एफडीए सीएफआर 21 सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण विनियमों का अनुपालन करता है। यह यूवी क्षरण के लिए बेहतर प्रतिरोध प्रदान करता है, जबकि डी ओ टी पी को अतिरिक्त यूवी अवशोषक की आवश्यकता होती है।
- छ. डी ई एच सी का प्रयोग विशेष उद्योगों में किया जाता है जैसे प्रीमियम फर्श और दीवार कवरींग, बेबी और खाद्य संपर्क उत्पादों के लिए सिंथेटिक लेदर, चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद, पर्यावरण अनुकूल उपभोक्ता सामान और उच्च निष्पादन पीवीसी यौगिक।
- ज. डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच के सीएस नंबर और एचएस कोड अलग-अलग हैं।
- झ. डी ई एच सी को डी ओ टी पी की तुलना में अधिक कीमतों पर बेचा जाता है। इसके अतिरिक्त, डी ई एच सी एच के उत्पादन की लागत डी ओ टी पी की तुलना में अधिक है।
- ञ. हान्वा द्वारा बिक्री की कीमतें यह प्रकट करेंगी कि डी ई एच सी एच हमेशा अधिक कीमतों पर बेचा जाता है।
- ट. रक्तस्राव दर के मामले में डी ओ टी पी, डी ई एच सी एच का विकल्प नहीं है, जो डी ओ टी पी की तुलना में डी ई एच सी एच के लिए 50% कम है। यह डी ई एच सी एच को कृत्रिम चमड़े के उपयोग के लिए वाणिज्यिक रूप से अर्थक्षम बनाता है।
- ठ. जूते के क्षेत्र में डी ओ टी पी का उपयोग सीमित है और डी ई एच सी एच का उपयोग इसकी तेज संलयन गति के कारण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, वॉलपेपर के लिए डी ओ टी पी के उपयोग से गुणवत्ता संबंधी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।
- ड. घरेलू उद्योग द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीकी आंकड़ा-तालिका से पता चलता है कि डी ई एच सी एच, डी ओ टी पी से अलग है।
- ii. पिछले अनुसंधान, जैसे कि इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न, पीवीसी पेस्ट रेजिन और हॉट रोल्ड प्रोडक्ट्स, पेटेंट उत्पाद, उच्च कीमत वाले उत्पाद और गैर-प्रतिस्थापनीय उत्पाद को बाहर रखा गया है।
- iii. यूएसए द्वारा डी ओ टी पी के आयात की पाटनरोधी जांच में, डी ई एच सी एच को उत्पाद क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया था। यदि डी ई एच सी एच वाणिज्यिक रूप से परस्पर परिवर्तनीय उत्पाद था, तो अमेरिका में घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में उसी का दावा किया होगा।

- iv. कोरिया से आयातित डी ई एच सी घरेलू उद्योग के उत्पाद के साथ प्रतिस्थापनीय नहीं है, जो जारी की गई स्वतंत्र प्रतिस्थापनीयता रिपोर्ट और घरेलू उद्योग के साथ प्रयोक्ताओं के पत्र से स्पष्ट है। आवेदक के उत्पाद (केनाटोल 8020) के साथ डी ई एच सी एच के परीक्षण प्रतिस्थापन ने बेंचमार्क पूरे नहीं किए।
- v. विभिन्न प्रयोक्ताओं द्वारा दायर लिखित अनुरोधों से पता चलता है कि वे डी ओ टी पी और डी ई एच सी को सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद नहीं मानते हैं।
- vi. चूंकि आवेदक सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद बनाने का दावा करता है, इसलिए थैलेट-आधारित प्लास्टिसाइज़र में विकास के लिए एक विश्लेषण किया जाना है क्योंकि ऐसे उत्पाद भी सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं।
- vii. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पादों की गुणवत्ता चिकित्सा उपकरण उत्पादकों के लिए गुणवत्ता आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती है, जैसा कि पत्रों से सिद्ध है।

घ.2. घरेलू उद्योग के विचार

8. घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
 - i. आवेदक ने डी ओ टी पी और डी ई एच सी दोनों का उत्पादन किया है। डी ई एच सी की खपत कैप्टिव रूप से की गई है। आवेदक द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी आयातित डी ओ टी पी के समान है और आयातित डी ई एच सी एच के लिए सीधे प्रतिस्पर्धी है। इस प्रकार, आवेदक ने विचाराधीन आयातित उत्पाद के समान सामान और सीधे प्रतिस्पर्धी सामानों का उत्पादन किया है।
 - ii. डी ओ टी पी डी ई एच सी एच का सीधे ही प्रतिस्पर्धी उत्पाद है।
 - क. डी ओ टी पी और डी ई एच सी दोनों में समान भौतिक, यांत्रिक, विद्युत और रियोलॉजिकल गुण हैं और एक दूसरे को आसानी से प्रतिस्थापित करते हैं। इसके अलावा, दोनों का प्रयोग ग्राहकों के एक ही समूह द्वारा किया जाता है।
 - ख. डी ई एच सी एच के किसी भी प्रयोक्ता ने यह दावा नहीं किया है कि डी ओ टी पी का उपयोग उसी निचले स्तर के उत्पाद के लिए नहीं किया जा सकता है।
 - ग. डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच का उपयोग समान अनुप्रयोगों में किया जाता है जो हनवा की अपनी तकनीकी आंकड़ा-तालिका से स्पष्ट है।
 - घ. हितबद्ध पक्षकारों के दावों के विपरीत, डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच की आयात कीमतें एक जैसी हैं और तुलनीय हैं।
 - ङ. प्रयोक्ताओं के एक ही समूह ने डी ई एच सी एच का आयात किया है और घरेलू उद्योग से डी ओ टी पी खरीदा है।
 - च. हान्वा ने अपनी उत्पादन प्रक्रिया का पेटेंट कराया है, न कि उत्पाद का। घरेलू उद्योग ने डी ई एच सी एच का उत्पादन किया है। इसके अलावा, डी ई एच सी एच का उत्पादन चीन और ताइवान में कुछ उत्पादकों द्वारा भी किया जाता है।

- छ. डी ई एच सी केवल डी ओ टी पी का हाइड्रोजनीकृत रूप है। डी ई एच सी केवल हाइड्रोजन मिलाकर ही निर्मित होता है जो कोई महत्वपूर्ण प्रक्रिया नहीं है। यह इस तथ्य से भी स्पष्ट है कि डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच की आयात कीमतें तुलनीय हैं।
- ज. एक उत्पाद जिसका प्रयोग इनपुट के रूप में किया जाता है और दूसरे उत्पाद में संसाधित किया जाता है, उसे बहरीन, चीन और थाईलैंड से ग्लास फाइबर के आयात की पाटनरोधी जांच में देखे गए अनुसार विचाराधीन उत्पाद के हिस्से के रूप में माना जा सकता है।
- झ. सीएस नंबर और एचएस कोड यह संकेत नहीं देते हैं कि दो उत्पाद अलग-अलग हैं। प्राधिकारी का मानना है कि एचएस कोड केवल संकेतात्मक हैं और विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है। विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में विभिन्न सीएस संख्याओं वाले कई उत्पाद शामिल हो सकते हैं।
- ञ. अन्य पक्षकारों का दावा कि डी ई एच सी एच डी ओ टी पी की तुलना में आसान मिश्रण और तेजी से संलयन की अनुमति देता है, यह दर्शाता है कि दोनों परस्पर परिवर्तनीय हैं।
- ट. अन्य पक्षकारों के निराधार दावों के विपरीत, अधिकांश फुटवियर उद्योग डी ओ टी पी का प्रयोग करता है न कि डी ई एच सी एच का।
- ठ. इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न और पीवीसी पेस्ट रेजिन में दिए गए उत्पाद बाहर किए गए उन उत्पादों के हैं जो घरेलू उद्योग द्वारा बेची गई समान वस्तु के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते थे और ऐसे उत्पादों की कीमत संबद्ध सामानों की तुलना में अधिक थी।
- ड. 304 ग्रेड के स्टेनलेस स्टील के हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पादों के लिए रक्षोपाय जांच पर अन्य पक्षकारों का भरोसा गलत है क्योंकि वर्तमान मामले में उत्पाद प्रतिस्थापनीय हैं। स्टेनलेस स्टील, एचआर स्टील और सीआर स्टील के हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पादों से संबंधित जांच में, एक उत्पाद के रूप में माना गया था।
- ढ. यह तथ्य कि अमेरिका ने डी ई एच सी एच को अपनी पाटनरोधी जांच में शामिल नहीं किया है, इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय प्राधिकारी इसे शामिल नहीं कर सकते हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा नहीं किया है कि अमेरिका में डी ई एच सी एच का आयात किया गया था और फिर उसी को बाहर रखा गया था।
- ण. कई उत्पाद एक रासायनिक वंश साझा करते हैं, और फिर भी अलग-अलग बाजारों में सेवा करते हैं, जैसे कि आईआईआर और एचआईआईआर।
- iii. इस संबंध में स्वतंत्र प्रतिस्थापनीयता रिपोर्ट और पत्र घरेलू उद्योग को नहीं बताए गए हैं, जिससे घरेलू उद्योग अपने हितों की रक्षा करने से वंचित रह गया है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कई मिश्रणों को देखते हुए, यह विचार करना उचित नहीं है कि एक एकल

- मिश्रण, केनाटोल 8020 प्रतिस्थापनीय नहीं है और डी ई एच सी एच को बाहर रखा जाना चाहिए।
- iv. यहां तक कि अगर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित डी ई एच सी एच पर विचार नहीं किया जाता है, तो इसके द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी एक वाणिज्यिक और तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय उत्पाद है और डी ई एच सी एच को बाहर नहीं किया जा सकता है।
 - v. थैलेट प्लास्टिसाइज़र डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच के लिए सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद नहीं हैं, जैसा कि इस तथ्य से स्पष्ट है कि संबद्ध सामान थैलेट मुक्त है जबकि डीआईएनपी थैलेट-आधारित प्लास्टिसाइज़र है। इसके अलावा, कच्चे माल, एसिड स्रोत के साथ-साथ संबद्ध सामानों और डीआईएनपी की कार्बन श्रृंखला में अंतर है।
 - vi. जबकि डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच बीआईएस अनुपालन वाले उत्पाद हैं जो जूते में प्रयोग के लिए उपयुक्त हैं, डीआईएनपी को जूते के अनुप्रयोगों के लिए अनुमोदित नहीं किया गया है। बीआईएस के अनुसार भी दोनों अलग-अलग हैं।
 - vii. यदि थैलेट प्लास्टिसाइज़र गैर-थैलेट प्लास्टिसाइज़र के लिए प्रतिस्पर्धी थे, तो गैर-थैलेट प्लास्टिसाइज़र विकसित करने और उत्पादन करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

ड.3 महानिदेशक द्वारा जांच

9. वर्तमान जांच की शुरुआत के समय, महानिदेशक ने निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के रूप में माना।

“विचाराधीन उत्पाद डायोक्टाइल टैरेफ्थैलेट (डी ओ टी पी) और डायथाइलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन (डी ई एच सी एच) के रूप में नॉन-फ्थैलेट प्लास्टिसाइज़र हैं। डायोक्टाइल टैरेफ्थैलेट को डीआई-(2-एथिलहेक्सिल) 1,4 बेंजीन डाइकार्बोक्सिलेट या डी ओ टी पी के नाम से भी जाना जाता है। डायथाइलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन को बिस(2-एथिलहेक्सिल) साइक्लोहेक्सेन-1,4-डाइकार्बोक्सिलेट या डी ई एच सी एच के नाम से भी जाना जाता है। डी ओ टी पी एक कार्बनिक यौगिक है जिसका रासायनिक सूत्र $C_{24}H_{38}O_4$ है। इस उत्पाद की पहचान सीएस संख्या 6422-86-2 से की जा सकती है। यह टैरेफ्थैलिक अम्ल और शाखित-श्रृंखला 2-एथिलहेक्सेनॉल का एक डाइएस्टर है। डी ई एच सी एच, जिसका रासायनिक सूत्र $C_{24}H_{44}O_4$ है, की पहचान सीएस संख्या 84731-70-4 से की जा सकती है। यह डी ओ टी पी का हाइड्रोजनीकृत रूप है।

गैर-फ्थैलेट प्लास्टिसाइज़र कई प्रकार के होते हैं जैसे डायोक्टाइल टैरेफ्थैलेट, डायएथिलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन, डायसोनिल साइक्लोहेक्सेन-1,2-डाइकार्बोक्साइलेट (डीआईएनसीएच), डाइबेंजोएट्स और आइसोसोर्बाइड डाइएस्टर आदि। तथापि, उत्पाद के क्षेत्र

में केवल दो प्रकार के गैर-फ्थैलेट प्लास्टिसाइजर शामिल हैं, अर्थात् डायोक्टाइल टैरेफ्थैलेट (डी ओ टी पी) और डायएथिलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन (डी ई एच सी एच) हैं।”

10. महानिदेशक नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने कई कारणों का हवाला देते हुए डी ई एच सी एच को बाहर करने की मांग की है। इसलिए महानिदेशक पहले यह जांचते हैं कि क्या डी ई एच सी एच को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में सही ढंग से शामिल किया गया है।
11. महानिदेशक नोट करते हैं कि विचाराधीन किसी उत्पाद को PUC के दायरे में शामिल करने की प्राथमिक आवश्यकता यह है कि घरेलू उद्योग ने आयातित उत्पाद के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु की पेशकश की हो।
12. हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों पर विचार करने से पहले, हनवा द्वारा उत्पादित और भारत को निर्यात किए गए उत्पाद पर विचार करना संगत है, जिसे डी ई एच सी एच के रूप में वर्णित किया गया है। रिकॉर्ड पर मौजूद सूचना से यह नोट किया गया है कि हनवा ने अपने उत्पाद और उत्पादन प्रक्रिया का विवरण प्रदान किया है। यह देखा गया है कि हनवा पहले डी ओ टी पी का उत्पादन करता है और उसके बाद उसी को डी ई एच सी एच में हाइड्रोजनीकृत करता है। दूसरे शब्दों में, हनवा द्वारा उत्पादित प्राथमिक उत्पाद डी ओ टी पी है।
13. करार का अनुच्छेद 2.21 और नियमावली 2017 के नियम 2(ख) में निम्नलिखित प्रावधान हैं।

अनुच्छेद 2.21

"घरेलू उद्योग का अर्थ है एक पक्षकार के क्षेत्र में संचालित समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं के उत्पादक, या जिनके समान या सीधे प्रतिस्पर्धी सामानों का सामूहिक उत्पादन उन सामानों के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात है;

"नियम 2. परिभाषाएँ-

(ख) "घरेलू उद्योग" का अर्थ है वे उत्पादक -

- (i) जो भारतीय क्षेत्र में समान या सीधे प्रतिस्पर्धी सामानों का समग्र रूप से प्रचालन कर रहे हैं;
- (ii) या जिनका समान या सीधे प्रतिस्पर्धी सामानों का सामूहिक उत्पादन उन सामानों के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात है;"

14. जांच के तहत उत्पाद की परिभाषा और इसी तरह या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पादों से संबंधित आवश्यकताओं के संबंध में, महानिदेशक नोट करते हैं कि करार में इस संबंध में कोई विशिष्ट आवश्यकता नहीं है कि जांच के तहत उत्पाद को किस तरीके से परिभाषित किया जा सकता है। जबकि वर्तमान जांच सीईपीए और द्विपक्षीय रक्षोपाय नियमों के तहत है, महानिदेशक यह पाते हैं

कि जांच के तहत उत्पाद की परिभाषा से संबंधित आवश्यकताओं को समझने के लिए, जैसे कि समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु, रक्षोपाय संबंधी करार के संदर्भ में डब्ल्यू टी ओ के निर्णयों का संदर्भ दिया जा सकता है। इस संबंध में, डोमिनिकन गणराज्य के मामले में - पॉलीप्रोपाइलीन बैग और ट्यूबलर फैब्रिक के आयात पर रक्षोपाय उपाय, पैनल ने उल्लेख किया कि रक्षोपाय संबंधी करार में जांच के तहत उत्पाद की परिभाषा या क्षेत्र के संबंध में विशिष्ट दायित्व नहीं लगाते। विशेष रूप से, पैनल ने पाया कि एक रक्षोपाय जांच में दो अलग-अलग उत्पादों को एक ही उत्पाद क्षेत्र में शामिल किया जा सकता है।

"7.181 शिकायतकर्ताओं का दावा है कि आयोग का स्पष्टीकरण पर्याप्त या तर्कसंगत नहीं था। वे इस आधार पर अपना दावा करते हैं कि जांच के तहत उत्पाद में केवल ऐसे उत्पाद शामिल हो सकते हैं जो "समान" हैं और इस संबंध में उल्लेख करते हैं कि जांच के तथ्यों से पता चलता है कि ट्यूबलर फैब्रिक और पॉलीप्रोपाइलीन बैग समान उत्पाद नहीं हैं। फिर भी, शिकायतकर्ता उन कानूनी बाधाओं की पहचान करने में विफल रहते हैं, जिन्हें सक्षम प्राधिकारियों को जांच के तहत उत्पाद के हिस्से के रूप में ट्यूबलर फैब्रिक और पॉलीप्रोपाइलीन बैग पर विचार करने और दोनों उत्पादों के रुझानों को "संयोजन में" देखने से रोकना चाहिए था। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि "यह सुझाव नहीं दिया गया है कि जांच के तहत आयातित उत्पाद को परिभाषित करने के उद्देश्य से इनपुट और अंतिम उत्पाद के बीच समानता या प्रतिस्पर्धी संबंध की तुलना होनी चाहिए"। तथापि, जिस आधार पर शिकायतकर्ताओं का तर्क आधारित है, वह यह है कि आयोग इस बात का स्पष्टीकरण देने के लिए बाध्य था कि दो अलग-अलग उत्पादों को एक ही कार्यवाही में जांच के तहत उत्पाद के रूप में क्यों माना गया। पैनल को रक्षोपाय संबंधी करार के पाठ में इस आधार के लिए कोई आधार नहीं मिल सकता है। शिकायतकर्ताओं ने करार में किसी ऐसे प्रावधान की पहचान नहीं की है जो आयातित उत्पादों को जांच के क्षेत्र में केवल उन उत्पादों तक सीमित करता है जो एक-दूसरे के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी हैं। जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, रक्षोपाय संबंधी करार जांच के तहत उत्पाद की परिभाषा या क्षेत्र के संबंध में कोई विशिष्ट दायित्व नहीं लगाते। इन परिस्थितियों में, पैनल का मानना है कि शिकायतकर्ता यह दिखाने में विफल रहे हैं कि जांच के तहत उत्पाद के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के स्पष्टीकरण पर्याप्त और तर्कसंगत क्यों नहीं थे।

7.182 निष्कर्ष में, पैनल का मानना है कि शिकायतकर्ता यह दिखाने में विफल रहे हैं कि जांच के तहत उत्पाद की परिभाषा में पॉलीप्रोपाइलीन बैग और ट्यूबलर फैब्रिक को शामिल करके, आयोग ने रक्षोपाय संबंधी करार के अनुच्छेद 3.1, अंतिम वाक्य और 4.2 (ग) के साथ असंगत रूप से कार्य किया, या यह कि परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग की परिभाषा इस संबंध में रक्षोपाय संबंधी करार के अनुच्छेद 4.1 (ग), 3.1, अंतिम वाक्य, और 4.2 (ग) के साथ असंगत थी।"

15. उसी मामले में, पैनल ने "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" उत्पाद के संदर्भ में निम्नलिखित नोट किया है।

"7.191 रक्षोपाय संबंधी करार के अनुच्छेद 4.1 (ग) का पाठ सिद्ध करता है कि घरेलू उद्योग को "उत्पादों" के संदर्भ में परिभाषित किया जाना चाहिए जो आयातित उत्पाद के संबंध में "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" हैं। इस प्रावधान के पाठ में ऐसा कुछ भी नहीं है जो घरेलू उद्योग को इन उत्पादों के एक सीमित हिस्से के आधार पर परिभाषित करने की अनुमति देता हो। यदि कोई उत्पाद आयातित उत्पाद के संबंध में समान या सीधे प्रतिस्पर्धी है, तो उस उत्पाद को घरेलू उद्योग को परिभाषित करने के प्रयोजनों के लिए माना जाना चाहिए। रक्षोपाय संबंधी करार के अनुच्छेद 4.1 (ग) को अनुच्छेद 4.1 (क) के संदर्भ में पढ़कर इस व्याख्या के लिए समर्थन प्राप्त किया जा सकता है। विशेष रूप से, "समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों" के एक हिस्से के संदर्भ में घरेलू उद्योग का निर्धारण, करार के अनुच्छेद 4.1 (क) द्वारा आवश्यक घरेलू उद्योग के महत्वपूर्ण समग्र हानि के निर्धारण के अस्तित्व को स्थापित करने में विफल हो सकता है। वर्तमान मामले में, प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी घरेलू उत्पाद को "समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों" के एक हिस्से के आधार पर परिभाषित किया गया था।

...

7.199 इन कारणों से, पैनल का मानना है कि प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी घरेलू उत्पाद की परिभाषा से कुछ समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों और अंततः, समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पाद के उत्पादकों को बाहर करने के लिए, सक्षम प्राधिकारियों द्वारा किया गया घरेलू उद्योग का निर्धारण रक्षोपाय संबंधी करार के अनुच्छेद 4.1 (ग) में निहित दायित्वों के असंगत हैं।"

16. उपर्युक्त निर्णय से, यह पता चलता है कि यद्यपि इस बात की कोई आवश्यकता नहीं है कि विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को एक विशेष तरीके से परिभाषित किया जाए, घरेलू उद्योग के क्षेत्र को इस तरह से परिभाषित किया जाना चाहिए कि इसमें "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" उत्पाद शामिल हो। विशेष रूप से, विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में दो उत्पाद शामिल हो सकते हैं, और घरेलू उद्योग के क्षेत्र का निर्धारण तदनुसार किया जाएगा। चूंकि सीईपीए और द्विपक्षीय रक्षोपाय नियमों के तहत प्रावधान इस संबंध में रक्षोपाय संबंधी करार के प्रावधानों के तुलनीय हैं, इसलिए ऊपर निर्धारित सिद्धांत भी वर्तमान मामले के लिए संगत हैं।
17. वर्तमान मामले में, अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि डी ई एच सी एच भौतिक और रासायनिक गुणों के संदर्भ में डी ओ टी पी से अलग है। आवेदक ने यह भी दावा नहीं किया है कि दोनों उत्पादों के भौतिक और रासायनिक गुण समान हैं और दोनों उत्पाद समान हैं। इसलिए, यह नोट किया गया है कि डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच अनुच्छेद की तरह नहीं

हैं। तथापि, उपरोक्त सिद्धांतों के अनुसार, दोनों को विचाराधीन एक ही उत्पाद के हिस्से के रूप में मानने से नहीं रोका जा सकता है, जिसके लिए महानिदेशक को यह निर्धारित करने की आवश्यकता होती है कि क्या घरेलू उद्योग ने सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद की पेशकश की है।

18. इस संबंध में अगला प्रश्न यह उठता है कि क्या आवेदक ने आयातित उत्पाद के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद का उत्पादन किया है। उद्योग के उत्पादन रिकॉर्ड के रूप में रिकॉर्ड में मौजूद सूचना के अनुसार, आवेदक ने सबसे हाल की अवधि में डी ओ टी पी और डी ई एच सी दोनों का उत्पादन किया है। जबकि आवेदक ने बाजार में डी ओ टी पी बेचा है, इसने डी ई एच सी एच की कैप्टिव रूप से खपत की है। यह विवादित नहीं है कि आवेदक द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी आयातित डी ओ टी पी के तुलनीय है। इसलिए, आवेदक ने समान वस्तु का उत्पादन किया है, अर्थात् आयातित डी ओ टी पी की समान विशेषताओं वाला उत्पाद है, और डी ओ टी पी के लिए समान वस्तु का घरेलू उत्पादक है। जहां तक डी ई एच सी एच का संबंध है, आवेदक ने डी ई एच सी एच के उत्पादन को दर्शाने वाले उत्पादन रिकॉर्ड भी प्रस्तुत किए हैं।
19. इसके अलावा, आवेदक ने तर्क दिया है कि उसके द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी, डी ई एच सी एच का प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पाद है। प्राधिकारी ने इस संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा रिकॉर्ड में रखी गई सूचना की जांच की है। भारत को निर्यात के संबंध में हनवा द्वारा दी गई सूचना, आवेदक द्वारा दी गई सूचना, अन्य समर्थक उत्पादकों और आयात आंकड़ों का भी इस उद्देश्य के लिए विश्लेषण किया गया था। उसी के निष्कर्ष नीचे दिए गए हैं।
20. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि डी ई एच सी एच कुछ अनुप्रयोगों के लिए डी ओ टी पी की तुलना में बेहतर है। आवेदक ने स्पष्ट किया है कि चूंकि डी ई एच सी एच डी ओ टी पी का हाइड्रोजनीकृत रूप है, इसलिए डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच दोनों लगभग समान भौतिक, यांत्रिक, विद्युत और रियोलॉजिकल गुण दर्शाते हैं। इस तथ्य के कारण कि डी ओ टी पी और डी ई एच सी दोनों समान गुण-धर्म दर्शाते हैं, दोनों को अलग-अलग अनुप्रयोगों में आसानी से प्रतिस्थापित किया जा सकता है, जैसे कि खिलाओं का उत्पादन, फर्श, दीवार कवरेज, तार और केबल इन्सुलेशन आदि। आवेदक ने अपने स्वयं के तकनीकी आंकड़ा तालिकाओं के साथ-साथ एलजी केम लिमिटेड और पायल समूह के डी ओ टी पी और हानवा के डी ई एच सी के लिए प्रस्तुत किए। इसके अलावा, आवेदक ने डी ई एच सी एच के आयातकों का सारांश प्रस्तुत किया, जिसमें उस आवेदन-पत्र की पहचान की गई जिसके लिए डी ई एच सी एच का आयात किया गया है और उसी आवेदन-पत्र के लिए डी ओ टी पी की अपनी आपूर्ति का विवरण प्रदान किया गया है।
21. उपरोक्त सूचना से पता चलता है कि डी ई एच सी एच का उपयोग जूते, चमड़े के कपड़े, जूते और अपहोल्स्ट्री के लिए कृत्रिम चमड़े, पीवीसी पाइप, फिल्म और केबल, कॉयर मैट (फर्श), चिकित्सा

उपकरण, खिलौने, खाद्य संपर्क सामग्री, विनाइल टाइल अनुप्रयोग, वॉलपेपर और ऐसे अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है। डी ओ टी पी का प्रयोग यौगिक, टाइल्स, डेको शीट, लचीली शीट, होज़, कृत्रिम चमड़ा, चिकित्सा उपकरण, खिलौने, जूते, तार और केबल, दीवारों और फर्श, पाइप, कालीन और ऐसे अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त, प्रदान की गई सूचना से पता चलता है कि डी ई एच सी एच के कई आयातकों ने, आवेदक के अनुमान के अनुसार डी ई एच सी एच के आयात का लगभग 90% हिस्सा, घरेलू स्तर पर या आयात के माध्यम से खरीदा है। इसलिए, यह नोट किया गया है कि उत्पादों को प्रमुख अनुप्रयोगों में परस्पर उपयोग किया जा सकता है।

22. आवेदक ने उस आवेदन-पत्र की भी पहचान की है जहां प्रत्येक आयातक डी ई एच सी एच का उपयोग करने के लिए जाना जाता है और यह सूचना प्रदान की है कि उसने उसी आवेदन-पत्र के लिए डी ओ टी पी की आपूर्ति भी की है। विशेष रूप से, आवेदक ने दिखाया है कि डी ई एच सी एच को जूते, कृत्रिम चमड़े, पीवीसी पाइप, फिल्मों और केबलों, फर्श और चिकित्सा उपकरणों में उपयोग के लिए आयात किया गया है। आवेदक ने कृत्रिम चमड़ा, दीवारों और फर्श, तारों और केबलों, जूते और खिलौनों के उत्पादकों को डी ओ टी पी की आपूर्ति दिखाने वाले बीजक प्रदान किए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रयोक्ता पॉली मेडिक्योर लिमिटेड के इस दावे के उत्तर में कि आवेदक द्वारा प्रदान किए गए डी ओ टी पी का उपयोग खराब गुणवत्ता के कारण चिकित्सा उपकरण बनाने के लिए नहीं किया जा सकता है, आवेदक ने कई प्रयोक्ताओं से लिखित पत्र प्रदान किया, जिसमें यह परीक्षण किया गया था कि वे बिना किसी चिंता के आवेदक द्वारा आपूर्ति किए गए डी ओ टी पी का प्रयोग चिकित्सा उपकरणों में करने में सक्षम थे। आवेदक ने यह भी दर्शाया है कि उसका संबद्ध, ***, आवेदक द्वारा डी ओ टी पी आपूर्ति का प्रयोग करके उत्पादित मिश्रण की आपूर्ति *** के संबद्ध *** को कर रही थी।
23. हान्वा केमिकल्स ने "इसके बेहतर निष्पादन" के कारण डी ई एच सी एच को डी ओ टी पी के लिए प्रतिस्थापन के रूप में विपणन किया है। जबकि डी ई एच सी एच एक उच्च गुणवत्ता वाला उत्पाद हो सकता है, यह तथ्य कि इसे डी ओ टी पी के विकल्प के रूप में चिह्नित किया गया है, यह दर्शाता है कि दोनों का प्रयोग फिर भी समान अनुप्रयोगों में किया जाता है।
24. आयात के आंकड़ों से पता चलता है कि डी ई एच सी एच के आयातक वही प्रयोक्ता हैं जिन्होंने आवेदक या पायल समूह से डी ओ टी पी खरीदा है, या डी ओ टी पी का आयात किया है।

- क. ***
 ख. ***
 ग. ***
 घ. ***
 ङ. ***

- च. ***
 छ. ***
 ज. ***
 झ. ***
 ञ. ***
 ट. ***
 ठ. ***
 ड. ***
 ढ. ***
 ण. ***

25. इसके अतिरिक्त, एक समर्थक, पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड ने भी उन्हीं प्रयोक्ताओं को डी ओ टी पी और डी ई एच सी की बिक्री दिखाने वाले बीजक प्रस्तुत किए हैं। समर्थक ने यह भी बताया है कि प्रयोक्ता एकल-उत्पाद कंपनी हैं, जिससे यह सिद्ध होता है कि दो प्लास्टिसाइजर का प्रयोग एक ही अनुप्रयोगों के लिए किया जा रहा है।

- क. ***
 ख. ***
 ग. ***
 घ. ***
 ङ. ***
 च. ***
 छ. ***
 ज. ***
 झ. ***
 ञ. ***
 ट. ***
 ठ. ***

इस प्रकार, महानिदेशक नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार डी ई एच सी एच और डी ओ टी पी दोनों को भारत में उपभोक्ताओं के एक ही समूह द्वारा खरीदा गया है।

26. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि डी ई एच सी एच और डी ओ टी पी के लिए सीएस संख्या और एएस कोड अलग-अलग हैं और इसलिए, ये दो अलग-अलग उत्पाद हैं। महानिदेशक नोट करते हैं कि सीएस संख्या या एएस कोड में अंतर का मतलब यह नहीं है कि उत्पादों को अब सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पादों के रूप में नहीं माना जा सकता है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इस तथ्य के संबंध में कोई साक्ष्य नहीं दिया है कि ऐसे उत्पादों का प्रयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है और भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सीएस संख्या वाले उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के एकल क्षेत्र में शामिल होने से कुछ भी नहीं रोकता है। इस संबंध में, महानिदेशक चीन जन.गण. और सिंगापुर से कुछ एंटीऑक्सिडेंट के आयात की पाटनरोधी जांच में जारी अंतिम जांच परिणामों को नोट करते हैं। फा. सं. 6/23/2024 - डीजीटीआर दिनांक 23 सितंबर 2025, जिसमें 5 अलग-अलग सीएस संख्या वाले उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में माना गया है। एएस कोड में अंतर के संबंध में, यह सतत परिपाटी है कि एएस वर्गीकरण को केवल संकेतात्मक रूप में माना जाता है और विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है। इसके अतिरिक्त, कई जांचें हुई हैं जहां विभिन्न एएस कोड के तहत आयातित उत्पाद समान विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा बने।
27. इस अनुरोध के संबंध में कि डी ई एच सी एच एक निचले स्तर के उत्पाद है और डी ओ टी पी इसके लिए कच्चा माल है, महानिदेशक नोट करते हैं कि डी ई एच सी एच के उत्पादन के लिए डी ओ टी पी के हाइड्रोजनीकरण की आवश्यकता होती है। यह नोट किया जाता है कि डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच समान वस्तु नहीं हैं। तथापि, यदि रक्षोपाय केवल डी ओ टी पी के आयात पर लगाए जाते हैं, तो डी ई एच सी एच का आयात बढ़ जाएगा, जो घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी को सीधे प्रतिस्थापित करेगा। यह हितबद्ध पक्षकारों का तर्क भी नहीं है कि डी ई एच सी एच का प्रयोग विभिन्न अनुप्रयोगों में नहीं किया जा सकता है जहां डी ओ टी पी का प्रयोग किया जाता है। ऐसी स्थिति में, घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को दूर करने के लिए केवल डी ओ टी पी के आयात पर रक्षोपायों का लगाना पूरी तरह से अनावश्यक कार्य होगा। किसी भी मामले में, घरेलू उत्पादकों ने उन उपभोक्ताओं के नाम दिए हैं जिन्होंने एक ही अनुप्रयोग के लिए डी ओ टी पी और डी ई एच सी दोनों का प्रयोग किया है।

28. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि डी ई एच सी एच की कीमत डी ओ टी पी की कीमत से बहुत अधिक है। तथापि, महानिदेशक नोट करते हैं कि भारत में डी ई एच सी एच का आयात डी ओ टी पी की आयात कीमत की तुलनीय कीमतों पर किया जा रहा है। महत्वपूर्ण रूप से, सबसे हाल की अवधि 2024-25 के दौरान डी ई एच सी एच की कीमत डी ओ टी पी की कीमत से कम है। ऐसी स्थिति में, यह स्पष्ट है कि डी ई एच सी एच डी ओ टी पी की सभी आवश्यकताओं को प्रतिस्थापित कर सकता है और दोनों सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं।

उत्पाद	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
डी ओ टी पी	रू./एमटी	140,694	127,802	116,135	117,619
डी ई एच सी	रू./एमटी	149,622	126,488	120,683	116,854
डेल्टा	रू./एमटी	8,928	-1,314	4,548	-765

29. महानिदेशक ने दो उत्पादों के आयात और खपत की मात्रा में प्रवृत्ति की जांच की।

कोरिया गणराज्य	आयात मात्रा (एमटी)			
उत्पाद	2021-22	2022-23	2023-24	जांच की अवधि
डी ओ टी पी	3,551	11,064	25,358	29,975
डी ई एच सी एच	2,932	5,307	9,846	12,182

30. यह भी नोट किया जाता है कि यद्यपि निर्यातक ने डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच में अंतर के संबंध में अनुरोध किए हैं, तथापि किसी भी प्रयोक्ता ने इस बात का विवाद नहीं किया है कि आवेदक द्वारा आपूर्ति की गई डी ओ टी पी का प्रयोग आयातित डी ई एच सी एच के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा में किया जा रहा है। महानिदेशक नोट करते हैं कि ऐसी स्थिति में जहां उपभोक्ताओं ने दोनों उत्पादों का परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग किया है, और दोनों उत्पादों की परस्पर परिवर्तनीयता का अभाव नहीं दर्शाया है, निर्यातक का दावा अतिरिक्त रूप से अमान्य हो जाता है।
31. महानिदेशक यह भी नोट करते हैं कि 100% अनुप्रयोगों में दोनों उत्पादों की पूर्ण परस्पर परिवर्तनीयता घरेलू उत्पाद को आयातित उत्पाद के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी रखने के लिए आवश्यक नहीं है। जब तक घरेलू उत्पाद काफी हद तक आयातित उत्पाद के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है, तब तक यह माना जाना चाहिए कि घरेलू उत्पाद समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी

वस्तु है। यह अतिरिक्त रूप से इस कारण से है कि घरेलू उद्योग को इच्छित राहत प्रदान करने का उद्देश्य विफल हो जाएगा, यदि किसी ऐसे उत्पाद को बाहर रखा जाता है जिसका प्रयोग घरेलू उद्योग के उत्पाद के समान अनुप्रयोग के लिए किया जा सकता है।

32. उपर्युक्त को देखते हुए, महानिदेशक नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना और साक्ष्य बताते हैं कि आवेदक ने डी ओ टी पी और डी ई एच सी दोनों की समान वस्तु का उत्पादन किया है। तथापि, भले ही आवेदक द्वारा डी ई एच सी एच के उत्पादन पर विचार नहीं किया जाता है, आवेदक द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी आयातित डी ई एच सी एच के लिए सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद है। भले ही उत्पाद की तकनीकी और भौतिक विशेषताएं भिन्न हो सकती हैं, लेकिन उनका प्रयोग प्रयोक्ताओं के एक ही समूह द्वारा अतिव्यापी अनुप्रयोगों के लिए किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, दोनों उत्पादों की कीमत इस अवधि में तुलनीय रही है, और एक साथ चली है। इसके अतिरिक्त, वे सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं, और यदि डी ई एच सी को उत्पाद के क्षेत्र से बाहर रखा जाता है, तो आयातक बाहर किए गए डी ई एच सी में चले जाएंगे, जिससे घरेलू उद्योग को लगातार क्षति होगी और जांच का उद्देश्य व्यर्थ हो जाएगा।
33. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि अमेरिकी प्राधिकारी ने डी ओ टी पी के आयात की पाटनरोधी जांच में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में डी ई एच सी एच को शामिल नहीं किया था। महानिदेशक नोट करते हैं कि अन्य प्राधिकारियों द्वारा किसी उत्पाद प्रकार को शामिल न करने से भारतीय प्राधिकारी पर इसे शामिल न करने का दायित्व नहीं बनता है। किसी भी दशा में, एक पाटनरोधी जांच में, घरेलू उत्पाद आयातित उत्पाद की समान वस्तु होना चाहिए। तथापि, एक रक्षोपाय जांच में सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद और दोनों के निर्माता शामिल हैं। यह नोट किया गया है कि डी ई एच सी एच संबद्ध देश से निर्मित और आयातित डी ओ टी पी के लिए सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद है और तदनुसार, वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल हैं।
34. इस अनुरोध के संबंध में कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित और संबद्ध देश से आयातित डी ई एच सी एच के साथ केनाटोल 8020 के परीक्षण प्रतिस्थापन ने प्रयोक्ताओं के लिए आवश्यक गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं करते हैं, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि वह केनाटोल 8020 सहित कई मिश्रणों का उत्पादन करता है और किसी एक मिश्रण की तुलना आयातित उत्पाद से करना उचित नहीं है। किसी भी दशा में, ऊपर नोट की गई सूचना सूचना से पता

चलता है कि डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच का प्रयोग प्रयोक्ताओं के समान समूह द्वारा किया गया है।

35. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि डीआईएनपी जैसे थैलेट आधारित प्लास्टिसाइज़र को भी वर्तमान जांच में सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पादों के रूप में माना जाना चाहिए। इस संबंध में महानिदेशक नोट करते हैं कि फथालेट आधारित प्लास्टिसाइज़र को डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच के रूप में गैर-फथालेट प्लास्टिसाइज़र के लिए सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद नहीं माना जा सकता है। यह इस तथ्य के कारण है कि उत्पादों का मूल गुण ही अलग है क्योंकि एक थैलेट मुक्त है, जबकि दूसरे में थैलेट शामिल है। इसके अतिरिक्त, महानिदेशक यह भी नोट करते हैं कि उत्पाद के प्रयोक्ताओं ने वर्तमान जांच में भाग लिया है। प्रयोक्ताओं ने अनुरोध किया है कि विचाराधीन उत्पाद का कोई विकल्प नहीं है और विचाराधीन उत्पाद के अलावा अन्य उत्पादों का प्रयोग करके थैलेट मुक्त उत्पादों का निर्माण नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार, थैलेट आधारित प्लास्टिसाइज़र ऐसे उत्पाद हैं जो वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के साथ सीधे प्रतिस्पर्धी नहीं हैं।
36. इसके अतिरिक्त, महानिदेशक नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि थैलेट मुक्त प्लास्टिसाइज़र के रूप में पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं और इसीलिए उसे थैलेट प्लास्टिसाइज़र मानव और पौधों के साथ निकटता में प्रयोग किए जाने वाले प्लास्टिक में प्रयोग के लिए प्राथमिकता दी जाती है। कुछ सामग्री के लिए गैर-थैलेट प्लास्टिसाइज़र के प्रयोग के लिए इस तरह की प्राथमिकता दर्शाती है कि थैलेट आधारित प्लास्टिसाइज़र गैर-थैलेट प्लास्टिसाइज़र से सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद नहीं हैं।
37. अतः, विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र, जैसा कि जांच शुरुआत की अधिसूचना में परिभाषित किया गया है, की पुष्टि की जाती है।
38. विचाराधीन उत्पाद को एचएस कोड 2917 20 00 और 2917 39 20 के तहत सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 29 के तहत वर्गीकृत किया गया है। संबद्ध सामानों का आयात 2917 13 90, 2917 32 00, 2917 33 00, 2917 39 30, 2917 39 50 और 2917 39 90 के तहत भी किया जाता है। सीमा शुल्क वर्गीकरण संकेतात्मक है और विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

39. हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की गुणवत्ता चिकित्सा उपकरणों के निर्माताओं की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती है। इस संबंध में, हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग ने ईमेल पत्र प्रस्तुत किए हैं जिसमें पॉली मेडिक्योर लिमिटेड ने खरीदी गई सामग्रियों की गुणवत्ता संबंधी चिंताएं उठाई हैं। इस संबंध में, घरेलू उद्योग ने पॉली मेडिक्योर लिमिटेड के लिए बिक्री की सूचना प्रदान की है जो दर्शाता है कि प्रयोक्ता ने नियमित रूप से घरेलू उद्योग से उत्पाद खरीदा है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग अपने उत्पाद की आपूर्ति चिकित्सा उपकरणों के अन्य उत्पादकों को भी करता है। यह नोट किया जाता है कि प्रयोक्ताओं ने घरेलू उद्योग से उत्पादों की खरीद की है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान **** एमटी की संचयी मात्रा बेची, जो गुणवत्ता के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। आपूर्ति की ऐसी नियमितता और बिक्री की महत्वपूर्ण मात्रा के आलोक में, यह तर्क कि ऐसे उत्पादों की गुणवत्ता निम्न है, नहीं टिकता है। इसके अतिरिक्त, आवेदक ने चिकित्सा उपकरणों के लिए पीवीसी यौगिकों के उत्पादन के लिए आवेदक द्वारा आपूर्ति किए गए डी ओ टी पी का प्रयोग करने वाले प्रयोक्ताओं से लिखित पत्र भी प्रदान किए हैं। निम्नलिखित प्रयोक्ताओं ने प्रमाणित किया है कि वे चिकित्सा उपकरणों के लिए पीवीसी यौगिकों के निर्माण के लिए आवेदक द्वारा आपूर्ति किए गए डी ओ टी पी का प्रयोग करने में सक्षम रहे हैं।

- क. ****
- ख. ****
- ग. ****
- घ. ****
- ड. ****
- च. ****
- छ. ****
- ज. ****
- झ. ****

40. आवेदक ने अन्य अनुप्रयोगों, **** फर्श, शीट और कृत्रिम चमड़े के प्रयोक्ताओं के लिए पत्र भी प्रदान किए हैं।

41. उपर्युक्त टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए, महानिदेशक का मानना है कि आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से भी संबद्ध देश से आयात किए जा रहे उत्पाद से तुलनीय हैं और उपभोक्ता दोनों का परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग करते हैं। इस प्रकार, आवेदक द्वारा उत्पादित और बेचे गए संबद्ध सामान संबद्ध देश से आयातित उत्पाद की समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी सामान हैं।

ड. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार_

ड.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

42. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और उसके आधार के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- आवेदक भारत में संबद्ध सामानों का एकमात्र उत्पादक नहीं है। यदि पायल और रचना का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए है, तो आवेदक के पास नियमावली के तहत आवश्यक प्रमुख अनुपात नहीं है।
 - ईसी - फास्टनर्स में डब्ल्यू टी ओ अपीलीय निकाय और जिंदल पॉली फिल्मस लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में दिल्ली उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की है कि दूसरों पर कुछ उत्पादकों के चयनात्मक विचार से क्षति की जांच कमजोर होगी। स्थायी जांच की जानी चाहिए, और इसके अभाव में आवेदन-पत्र को खारिज कर दिया जाना चाहिए।
 - आवेदक ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि केएलजे पेट्रोप्लास्ट लिमिटेड भी संबद्ध सामानों का उत्पादक है या नहीं।
 - यह जांच की जानी चाहिए कि क्या आवेदक ने तीसरे पक्षकार से संबद्ध सामानों की खरीद की है, जिसने बदले में सामानों का आयात किया है।

ड.2 घरेलू उद्योग के विचार

43. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और उसके आधार के संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- i. यह आवेदन-पत्र केएलजे प्लास्टिसाइजर लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है और पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड और पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड ने इसका समर्थन किया है।
- ii. आवेदक का कुल भारतीय उत्पादन में प्रमुख अनुपात है और इसलिए, वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग बनने के लिए पात्र माना जाए।
- iii. यह स्पष्ट किया जाता है कि केएलजे पेट्रोप्लास्ट लिमिटेड ने भाग नहीं लिया है क्योंकि यह भारत में संबद्ध सामानों का उत्पादक नहीं है।
- iv. आवेदक को छोड़कर, भारत में संबद्ध सामानों के तीन अन्य ज्ञात उत्पादक हैं, अर्थात्, पायल प्लास्टिकेम प्राइवेट लिमिटेड, पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड और रचना प्लास्टिसाइजर्स हैं।
- v. रचना प्लास्टिसाइजर ने हाल ही में उत्पादन शुरू किया है। एक अन्य निर्माता, आईजी पेट्रोकेमिकल्स है, जो संबद्ध सामानों के लिए उत्पादन प्रचालन स्थापित करने की योजना बना रहा है।
- vi. उपलब्ध सूचना के आधार पर, विनाइल प्रोडक्ट्स और मार्वल विनाइल के पास संबद्ध सामानों का उत्पादन करने की सुविधाएं हो सकती हैं, हालांकि, उत्पादकों ने वर्तमान अवधि में संबद्ध सामानों का उत्पादन नहीं किया है।

ड.3. महानिदेशक द्वारा जांच

44. द्विपक्षीय रक्षोपाय नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

“(ख) "घरेलू उद्योग" का अर्थ है वे उत्पादक -

 - (i) जो भारत क्षेत्र में समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी सामानों का समग्र रूप से प्रचालन करते हैं;
 - (ii) या जिनका समान या सीधे प्रतिस्पर्धी सामानों के सामूहिक उत्पादन में उन सामानों के कुल घरेलू उत्पादन का प्रमुख अनुपात है-“
45. महानिदेशक नोट करते हैं कि वर्तमान जांच की शुरुआत के लिए आवेदन-पत्र के एल जे प्लास्टिसाइजर्स लिमिटेड द्वारा दायर किया गया था। भारत में संबद्ध सामानों के तीन अन्य घरेलू उत्पादक हैं, अर्थात्, पायल प्लास्टिकेम प्राइवेट लिमिटेड, पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड और रचना प्लास्टिसाइजर्स। पायल समूह ने आवेदन-पत्र का समर्थन करने और करार के तहत रियायतें वापस लेने का अनुरोध करने वाले पत्र दायर किए हैं।
46. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि एक अन्य उत्पादक, अर्थात्, आईजी पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड भारत में संयंत्र स्थापित कर रहा है, लेकिन उसने अभी तक भारत में संबद्ध सामानों का उत्पादन शुरू नहीं किया है।

47. नियमावली का नियम 2(ख) घरेलू उद्योग को समग्र रूप से घरेलू उत्पादकों के रूप में परिभाषित करता है, या उन घरेलू उत्पादकों के रूप में, जिनका सामूहिक उत्पादन सकल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख अनुपात है। यह नोट किया जाता है कि आवेदक का उत्पादन भारतीय उत्पादन का ***% है।

विवरण	इकाई	मात्रा	हिस्सा
आवेदक	एमटी	***	60-70
अन्य भारतीय उत्पादक	एमटी	***	30-40
पायल पॉलीप्लास्ट प्रा. लि	एमटी	***	***
पायल प्लास्टिकेम प्रा. लि	एमटी	***	***
रचना प्लास्टिसाइज़र	एमटी	***	***
भारतीय उद्योग का कुल उत्पादन	एमटी	***	100%

48. आवेदक ने अनुरोध किया है कि दो अन्य उत्पादक, विनाइल प्रोडक्ट्स और मार्वल विनाइल के पास भारत में उत्पादन सुविधाएं हो सकती हैं, लेकिन जांच की अवधि के दौरान उन्होंने संबद्ध सामानों का उत्पादन नहीं किया है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भी दोनों उत्पादकों के उत्पादन को दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है। प्राधिकारी ने दोनों कंपनियों को सूचना भी भेज दी है। हालांकि, इससे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। अतः, रिकॉर्ड में मौजूद सूचना के अनुसार, महानिदेशक ने विनाइल प्रोडक्ट्स और मार्वल विनाइल को संबद्ध सामानों के घरेलू उत्पादक के रूप में नहीं माना है।
49. जहां तक इस अनुरोध के संबंध में स्पष्टीकरण की मांग की गई है कि क्या केएलजे पेट्रोप्लास्ट लिमिटेड संबद्ध सामानों का घरेलू उत्पादक है, आवेदक ने पुष्टि की है कि केएलजे पेट्रोप्लास्ट लिमिटेड संबद्ध सामानों का उत्पादन नहीं करता है।
50. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि आवेदक एकमात्र उत्पादक नहीं है, और अन्य उत्पादकों का कुल भारतीय उत्पादन में महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस संबंध में, यह नोट किया जाता है कि आवेदक का भारतीय उत्पादन में ***% हिस्सा है। इसे ध्यान में रखते हुए, यह नोट किया जाता है कि आवेदक का प्रमुख अनुपात है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आवेदन-पत्र को पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड और पायल प्लास्टिकेम प्राइवेट लिमिटेड द्वारा समर्थन दिया गया है। आवेदक का समर्थकों के साथ मिलकर भारतीय उत्पादन का लगभग पूरा हिस्सा है। आवेदक द्वारा धारित हिस्सेदारी को ध्यान में रखते हुए, महानिदेशक यह पाते हैं कि आवेदक का कुल भारतीय उत्पादन में प्रमुख अनुपात है, और नियम 2(ख) के तहत घरेलू उद्योग है।

च. गोपनीयता

च.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

51. गोपनीयता के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- आवेदक ने निष्पादन मानदंडों, मांग, उत्पादन और घरेलू उत्पादकों की हिस्सेदारी, समायोजन योजना और अवधि, अवधि और संयंत्र बंदी कारणों के संबंध में उसका सार्थक सार दिए बिना अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। इस तरह के दावों ने नियम 7 का उल्लंघन किया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अनुरोध करने से रोका है। महानिदेशक को, संशोधित अगोपनीय आवेदन-पत्र उपलब्ध कराने के लिए आवेदक को निर्देश देना चाहिए।
 - गोपनीयता स्वतः नहीं दी जा सकती है और पूरी जांच के आधार पर होनी चाहिए, जैसा कि स्टरलाइट इंडस्ट्रीज (इंडिया) लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में माना गया है।
 - लेन-देन-वार आयात आंकड़ों का सार दिया जाना चाहिए। क्षति की जांच के लिए संबद्ध और गैर-संबद्ध स्रोतों से आयात विवरणों को सत्यापित किया जाना चाहिए।
 - घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीयता संबंधी उठाई गई टिप्पणियों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि इसका दायरा केवल एंटी-डंपिंग जांचों तक सीमित है। सबसे पहले यह निर्धारित किया जाना आवश्यक है कि क्या व्यापार सूचना 10/2018 की प्रयोज्यता वर्तमान द्विपक्षीय सेफगार्ड जांच तक विस्तारित होती है।

च.2. घरेलू उद्योग के विचार

52. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- प्रयोक्ताओं द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा व्यापार सूचना 10/2018 के उल्लंघन में किया गया है। प्रयोक्ता उत्पाद सूची, शेरधारकों और संबद्ध कंपनियों का विवरण, उत्पादन प्रक्रिया और कारखानों का विवरण प्रदान करने में विफल रहे हैं।
 - प्रयोक्ता निचले स्तर के बाजार में अपने अनुमानित हिस्सेदारी को भी प्रदान करने में विफल रहे हैं।
 - विदेशी उत्पादकों को घरेलू उद्योग के मुकाबले प्रतिस्पर्धी लाभ के संबंध में विवरण गोपनीय सूचना नहीं हो सकती है और अतिरिक्त गोपनीयता का दावा करने से घरेलू उद्योग को ऐसे किसी भी दावे का खंडन करने से रोका गया है।
 - प्रयोक्ता आर्थिक हित प्रश्नावली में क्षमता, उत्पादन, खपत और आयात के कुल विवरण का प्रकटन करने में विफल रहे हैं, जबकि ऐसे कुल आंकड़े समेकित किए गए हैं और एक प्रयोक्ता के नहीं हैं। प्रयोक्ताओं ने ऐसी सूचना के प्रकटन के मामले में कोई पूर्वाग्रह नहीं दिखाया है।

- v. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाई गई गोपनीयता टिप्पणियां विलंब से और अस्पष्ट हैं।
- vi. संयंत्र बंदी के विवरण को गोपनीय बताया गया है क्योंकि इसका प्रकटन घरेलू उद्योग के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। केवल इसलिए कि सूचना गोपनीय होने का दावा किया गया है, इसका मतलब यह नहीं है कि आवेदन-पत्र में पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं।
- vii. मांग को गोपनीय बताया गया है क्योंकि क्षति की अवधि के पहले तीन वर्षों के लिए, यह घरेलू उद्योग और पायल समूह की बिक्री पर आधारित है। मांग के प्रकटन से एक समूह की बिक्री का दूसरे समूह को पारस्परिक प्रकटन होगा और आवेदक के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- viii. घरेलू उद्योग के पॉलीमेडिकयोर के साथ पत्रों को गोपनीय बताया गया है, जबकि घरेलू उद्योग से संबंधित ऐसे पत्र हैं।

च.3. महानिदेशक की जांच

53. नियमावली का नियम 6 सूचना की गोपनीयता से संबंधित है।

6. गोपनीय सूचना -

(1) नियम 5 के उप-नियम (1), (3) और (7), नियम 8 के उप-नियम (2) और नियम 10 के उप नियम (5) में निहित किसी भी बात के होते हुए, कोई भी सूचना जो प्रकृति में गोपनीय है या जो गोपनीय आधार पर प्रदान की जाती है, कारण दिखाए जाने पर, महानिदेशक द्वारा ऐसी मानी जाएगी और ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना प्रकट नहीं की जाएगी।

(2) महानिदेशक गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को उसके अगोपनीय सार प्रस्तुत करने की मांग कर सकते हैं और यदि, उस सूचना को प्रदान करने वाले पक्षकार के मत में, उसका सार नहीं किया जा सकता है, तो वह पक्षकार, उन कारणों का विवरण महानिदेशक को प्रस्तुत करें कि सार क्यों संभव नहीं है।

(3) उप-नियम (2) में निहित किसी भी बात के बावजूद, यदि महानिदेशक संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध आवश्यक नहीं है या सूचना का आपूर्तिकर्ता या तो सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्यीकृत या सार रूप में इसके प्रकटन को अधिकृत करने के लिए अनिच्छुक है, तो वह ऐसी सूचना को नजरअंदाज कर सकते हैं जब तक कि उचित स्रोतों से उसके संतोष के लिए यह प्रदर्शित न किया जाए कि ऐसी सूचना सही है।

54. सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर, महानिदेशक ने जहां आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को स्वीकार कर लिया है और उस सूचना को

गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर प्रदान करने का निर्देश दिया गया था।

55. पंजीकृत हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डी जी टी आर की वेबसाइट पर अपलोड की गई थी और सभी से अनुरोध किया गया था कि वे सभी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोधों का अगोपनीय रूपांतर ईमेल करें।
56. जहां तक निष्पादन मापदंडों के संबंध में गोपनीयता का दावा किया गया है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग में एक एकल उत्पादक शामिल है और ऐसी सूचना के प्रकटन से कंपनी की गोपनीय सूचना का प्रकटन होगा। निष्पादन मापदंड, समायोजन योजना और बंदी के ब्यौरे घरेलू उद्योग की व्यापारिक संवेदनीय सूचना हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने गोपनीय होने का दावा की गई सूचना का अगोपनीय सार प्रदान किया है और सूचीबद्ध रूप में सभी संगत सूचना प्रदान की है। समायोजन योजना का एक अगोपनीय सार भी प्रदान किया गया है। घरेलू उद्योग ने यह भी स्पष्ट किया है कि हाल की अवधि में कच्चे माल की कमी के कारण कोई बंदी नहीं हुई थी। इसे देखते हुए, इस संबंध में घरेलू उद्योग की गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया जाता है।
57. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग भारत में मांग का खुलासा करने में विफल रहा है। यह नोट किया गया है कि क्षति की अवधि के पहले तीन वर्षों के दौरान, भारतीय उद्योग में केवल आवेदक और पायल समूह शामिल थे। इस अवधि के लिए मांग का प्रकटीकरण आवेदक और समर्थक के व्यावसायिक हितों के लिए नुकसानदेह होगा। इसे देखते हुए, महानिदेशक ने इस संबंध में गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया है। यह भी ध्यान दिया जाता है कि मांग को सूचीबद्ध आधार पर साझा किया गया है।
58. लेनदेन-वार आयात आंकड़ों का सारांश प्रदान किया जाना चाहिए, इस संबंध में, महानिदेशक नोट करते हैं कि आवेदन में आयात का सारांश प्रदान किया गया है। इसके अलावा, महानिदेशक ने वर्तमान जांच के उद्देश्य से डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों पर भरोसा किया है।

छ. विविध

छ.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

59. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:
- i. संक्रमण काल समाप्त होने के बाद ये उपाय लागू या जारी नहीं रखे जा सकते। वाक्यांश "केवल संक्रमण काल के दौरान" उपायों को लागू करने या जारी रखने के अधिकार को संदर्भित करता है। ये उपाय अधिकतम 6 महीने के लिए लागू किए जा सकते हैं; इसके बाद संक्रमण काल समाप्त हो जाएगा, भले ही घरेलू उद्योग ने 2 साल की अवधि के लिए पुनर्गठन योजना प्रस्तुत की हो या नहीं।
 - ii. शब्द "दौरान" के उपयोग का अर्थ है कि संक्रमण काल एक समय सीमा निर्धारित करता है, जिसके भीतर ही उपाय लागू किए जा सकते हैं।
 - iii. संक्रमण काल के बाद उपायों को जारी नहीं रखा जा सकता, यह बात नियम 14 में "सिफारिश" "लागू करना" या "शुरू करना" के बजाय शब्द "लागू करना" के उपयोग से भी स्पष्ट होती है। रक्षोपाय पर समझौते के अनुच्छेद 7.1 के तहत, शब्द "लागू करना" का उपयोग उपायों की अवधि के लिए भी किया जाता है। संक्रमण काल के आखिरी दिन किसी उपाय को लागू करना और उसे संक्रमण काल के बाद भी जारी रखना, अनुच्छेद 2.22 के तहत निर्धारित सीमा को निष्प्रभावी बना देगा।
 - iv. नियमों के अनुसार जांच की समय-सीमा को देखते हुए, जांच परिणाम केवल मई 2026 में जारी किए जाएंगे और अगस्त 2026 तक लागू किए जाएंगे। यदि सिफारिश की जाती है, तो इसका परिणाम केवल 3-4 महीनों के उपायों के रूप में निकलेगा, जिससे पूरी जांच व्यर्थ और अनावश्यक हो जाएगी।
 - v. घरेलू उद्योग की यह व्याख्या प्रभावी रूप से समझौते के तहत बातचीत द्वारा तय की गई टैरिफ रियायतों को फिर से खोल देगी और संधि ढांचे की स्थिरता को कमजोर कर देगी।
 - vi. शब्द "सकता है" का उपयोग उपाय लागू करने के विकल्प के संदर्भ में किया गया है, न कि इस बात में विवेकाधिकार देने के लिए कि उपाय कब लागू किया जा सकता है।

- vii. दायर किया गया आवेदन कानून की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है, क्योंकि घरेलू उद्योग ने अपेक्षित उचित बाजार कीमत और उसका आधार प्रदान नहीं किया है। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग को हो रही गंभीर क्षति के निवारण के लिए पर्याप्त उपाय लागू करने की कोई सिफारिश नहीं की जा सकती।
- viii. अनुशंसित उपाय क्षति मार्जिन से अधिक नहीं होना चाहिए।
- ix. आवेदन के विभिन्न अनुच्छेदों में आयात की अलग-अलग कीमतें दी गई हैं।
- x. भारत-कोरिया सी ई पी ए के परिणामस्वरूप व्यापार में वृद्धि जानबूझकर की गई है और यह सी ई पी ए की मूल भावना के अनुरूप है। व्यापार में वृद्धि को द्विपक्षीय रक्षोपाय उपायों को लागू करने का आधार नहीं माना जा सकता।
- xi. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समायोजन योजना में दक्षता में सुधार के केवल सामान्य इरादे बताए गए हैं, लेकिन इसमें परिचालन को स्थिर करने के उपाय, पुनर्गठन का मात्रात्मक रोडमैप, पूंजी निवेश का स्पष्ट कार्यक्रम, लागत में कमी के लक्ष्य और प्रदर्शन के मानक शामिल नहीं हैं। यह स्पष्टीकरण देना होगा कि ये उपाय समायोजन में किस प्रकार सहायक होंगे। समायोजन योजना की विश्वसनीयता और मांगे गए उपायों के साथ उसकी आनुपातिकता का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।
- xii. जांच को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। यदि जांच जारी रखी जाती है, तो किसी भी अंतरिम उपाय का अनुरोध नहीं किया जाना चाहिए।

छ.2. घरेलू उद्योग के विचार

- 60. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों के उत्तर में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
 - i. अन्य पक्षकारों की यह व्याख्या कि लगाया गया कोई भी उपाय केवल संक्रमण काल की अवधि तक ही प्रभावी रहेगा, गलत है। समझौता यह प्रावधान करता है कि उपाय केवल संक्रमण काल की समाप्ति से पहले ही लगाए जा सकते हैं और यह उपायों की अवधि निर्धारित नहीं करता है।

- प्रावधानों में यह नहीं कहा गया है कि संक्रमण काल की समाप्ति के बाद उपाय नहीं लगाए जा सकते।
- ii. सी ई पी ए के तहत सरकार का दायित्व संक्रमण काल के भीतर उपाय लागू करना है। समझौता सरकार को संक्रमण काल के बाद भी उपायों को जारी रखने से नहीं रोकता है।
 - iii. आवेदक द्वारा उपयोग किया गया आवेदन प्रपत्र सामान्य रक्षोपाय के लिए है और तदनुसार, आवेदन में केवल द्विपक्षीय रक्षोपायों से संबंधित जानकारी ही प्रदान की गई है।
 - iv. घरेलू उद्योग ने कीमतों को उचित बाजार मूल्य तक बढ़ाने के लिए एम एफ एन स्तर तक रियायतें वापस लेने का अनुरोध किया है।
 - v. आवेदन में एक स्थान पर सही आयात कीमत प्रदान करने में अनजाने में एक त्रुटि हो गई है। यदि यह मुद्दा प्रारंभिक चरण में उठाया गया होता, तो घरेलू उद्योग द्वारा इसे स्पष्ट कर दिया गया होता। वैसे भी, प्राधिकारी डी जी प्रणाली के आंकड़ों के आधार पर आयात कीमत पर विचार करते हैं।
 - vi. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों के विपरीत, सी ई पी ए का उद्देश्य आयात में इतनी अधिक मात्रा में और ऐसी शर्तों तथा कीमतों पर वृद्धि करना नहीं है, जिससे घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचे। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि सी ई पी ए में द्विपक्षीय उपाय लागू करने का प्रावधान शामिल है।
 - vii. ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है जिसके तहत किसी समायोजन योजना में संचालन को स्थिर करने के उपाय, मात्रात्मक पुनर्गठन की रूपरेखा, पहचान योग्य पूंजी निवेश की समय-सारिणी, लागत-कटौती के लक्ष्य और प्रदर्शन के मानक शामिल करना अनिवार्य हो। दूसरी ओर, डब्ल्यू टी ओ पैनल ने कोरिया – डेयरी मामले में यह निर्णय दिया था कि किसी विशिष्ट समायोजन योजना की कोई आवश्यकता नहीं है।

छ.3. महानिदेशक द्वारा जाँच

61. यह वर्तमान जाँच महानिदेशक द्वारा एक विधिवत प्रमाणित आवेदन के आधार पर शुरू की गई थी, जब उन्हें प्रथम दृष्टया यह संतोष हो गया कि आयात में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचने के पर्याप्त प्रमाण मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, जाँच शुरू होने के बाद, सभी हितबद्ध पक्षकारों से, जहाँ तक आवश्यक समझा गया, जानकारी माँगी गई है।
62. कई हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि इस वर्तमान जाँच के तहत प्रस्तावित उपाय संक्रमण काल समाप्त होने के बाद लागू या जारी नहीं रखे जा सकते हैं, और इसलिए, ये उपाय केवल थोड़े समय के लिए ही प्रभावी रह सकते हैं। इस संबंध में, समझौते का अनुच्छेद 2.22 निम्नलिखित रूप से प्रावधान करता है:

सीईपीए के अनुच्छेद 2.22 में निम्नानुसार प्रावधान है:

“केवल संक्रमण अवधि के दौरान यदि इस करार के अन्तर्गत किसी सीमा शुल्क में कटौती या समाप्ति के परिणामस्वरूप दूसरे पक्षकार के उद्गम वाली वस्तु को समग्र रूप से या घरेलू उत्पादन के संबंध में और ऐसी दशाओं में ऐसी बड़ी हुई मात्रा में किसी पक्षकार के क्षेत्र में आयातित किया जा रहा हो, जहां केवल दूसरे पक्षकार से ऐसी वस्तु के आयात समान या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग के लिए गंभीर क्षति या उसके खतरे का पर्याप्त कारण बनते हों, वहां पक्षकार निम्नलिखित कर सकता है:

- (क) इस करार के अन्तर्गत प्रदत्त वस्तु पर सीमा शुल्क की किसी दर की आगे कटौती को रोकना; या
- (ख) उस वस्तु पर सीमा शुल्क की दर में उस स्तर पर वृद्धि जो निम्न में से कमतर से अधिक न हो;
- (i) उपाय किए जाने के समय उस वस्तु पर प्रभावी सीमा शुल्क की एम एफ एन लागू दर; और
- (ii) इस करार के लागू होने की तारीख से तत्काल पहले दिन को उस वस्तु पर प्रभावी सीमा शुल्क की एम एफ एन लागू दर।”

63. समझौते के अनुच्छेद 2.23 में उन शर्तों और सीमाओं का प्रावधान है जो अनुच्छेद 2.22 में वर्णित जांच या उपाय पर लागू होंगी। अनुच्छेद 2.23 के खंड (g) के अनुसार, लगाया गया उपाय अधिकतम दो वर्षों की अवधि तक, अथवा गंभीर क्षति के निवारण तथा समायोजन को सुगम बनाने के लिए आवश्यक अवधि तक, बनाए रखा जा सकता है।

“(छ) कोई भी उपाय तब तक बनाए नहीं रखा जाएगा:

(i) सिवाय उस सीमा तक और उतने समय तक, जितना गंभीर क्षति को दूर करने और समायोजन को सुगम बनाने के लिए आवश्यक हो; या

(ii) दो वर्ष से अधिक की अवधि के लिए नहीं, सिवाय इसके कि असाधारण परिस्थितियों में, इस अवधि को अतिरिक्त दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है, यानी उपाय को पहली बार लागू करने की तारीख से कुल चार वर्ष तक; यदि जाँच अधिकारी उप-अनुच्छेद (क) से (च) में निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप यह निर्धारित करते हैं कि सुरक्षा उपाय गंभीर क्षति को रोकने या दूर करने और समायोजन को सुगम बनाने के लिए अभी भी आवश्यक है, और इस बात का प्रमाण है कि उद्योग समायोजन कर रहा है;”

64. इसलिए, जब अनुच्छेद 2.22 के तहत द्विपक्षीय सुरक्षा उपाय लागू किए जाते हैं, और वे संक्रमण काल के अधीन होते हैं; तो एक बार लगाए गए उपायों को अनुच्छेद 2.23(छ) के तहत बनाए रखा जाता है। अनुच्छेद 2.23(छ) में यह प्रावधान नहीं है कि उपायों को केवल संक्रमण काल के दौरान ही बनाए रखा जा सकता है। इसलिए, एक बार जब संक्रमण काल के दौरान अनुच्छेद 2.22 के तहत कोई उपाय लागू कर दिया जाता है, तो उसे उतनी अवधि तक बनाए रखा जा सकता है, जितनी गंभीर क्षति को दूर करने और समायोजन में सहायता करने के लिए आवश्यक हो, जिसकी अधिकतम अवधि दो वर्ष होगी। हितबद्ध पक्षकारों ने अनुच्छेद 2.23(छ) में संक्रमण काल से संबंधित प्रावधानों को शामिल करके पढ़ने का कोई आधार नहीं दिखाया है।

65. हितबद्ध पक्षकारों ने यह प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग ने उचित बाजार कीमत के संबंध में जानकारी प्रदान नहीं की है। यह ध्यान दिया जाता है कि वर्तमान जाँच एक द्विपक्षीय जाँच है जिसमें मांगी गई राहत रियायतों की वापसी है, न कि रक्षोपाय लगाना। इसलिए, उचित बाजार मूल्यों के संबंध में जानकारी प्रदान करने की कोई

आवश्यकता नहीं है। वर्तमान मामले में किसी भी क्षति मार्जिन को निर्धारित करने की आवश्यकता नहीं है। किसी भी स्थिति में, घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुत किया है कि कीमतें समझौते के तहत दी गई रियायतों की सीमा तक अनुचित हैं।

66. इस अनुरोध के संबंध में कि वर्तमान जाँच भारत-कोरिया सी ई पी ए की भावना के विरुद्ध है, महानिदेशक यह नोट करते हैं कि सी ई पी ए की भावना यह नहीं है कि ऐसी स्थितियों में आयात में वृद्धि के कारण दोनों में से किसी भी देश के घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचे। यद्यपि समझौते की भावना व्यापार को बढ़ाना और प्रत्येक देश के उत्पादकों को बेहतर बाजार पहुँच प्रदान करना है, फिर भी आयात में ऐसी वृद्धि संबंधित देशों के घरेलू उत्पादकों की कीमत पर नहीं हो सकती। इसके अलावा, द्विपक्षीय रक्षोपाय लागू करने के प्रावधानों को सी ई पी ए में इस उद्देश्य के साथ शामिल किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यदि दी गई रियायतों के कारण आयात में वृद्धि होती है, जिससे आयातक देश के घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचती है, तो उचित उपाय किए जा सकें।
67. समायोजन योजना की पर्याप्तता के संबंध में उठाई गई चिंताओं के बारे में, यह नोट किया जाता है कि गोपनीय आधार पर प्रदान की गई समायोजन योजना में प्रासंगिक विवरण शामिल हैं। इसके अलावा, सीमा शुल्क को फिर से लागू करने का प्रभाव भी घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किया गया है। इस प्रकार, समायोजन योजना की पर्याप्तता और सटीकता के लिए जाँच की गई है।

ज. आयात में वृद्धि

ज.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

68. आयात में वृद्धि के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- i. डब्ल्यू टी ओ कानून के तहत वैश्विक रक्षोपाय की तुलना में द्विपक्षीय रक्षोपायों की प्रयोज्यता संकीर्ण होती है। सी ई पी ए के अनुच्छेद 2.22 में "आयात किया जा रहा है" और "ऐसी बड़ी हुई मात्रा में" शब्दों का प्रयोग यह दर्शाता है कि महानिदेशक को चार साल जैसी लंबी अवधि के ऐतिहासिक रुझानों के बजाय, आयात में अचानक हुई वृद्धि का आकलन करना आवश्यक है। यह

"हाल के आयात" और "ऐसी बढी हुई मात्रा में" शब्दों की उस व्याख्या के भी अनुरूप है जो रक्षोपायों पर समझौते के तहत डब्ल्यू टी ओ अपीलिय निकाय द्वारा अर्जेंटीना - फुटवियर (ई सी) मामले में दी गई थी। लेकिन वर्तमान मामले में, आयात में वृद्धि क्रमिक है, अचानक नहीं।

- ii. आयात की जाँच 2017-18 से की जानी चाहिए, जिससे यह पता चलेगा कि आयात में वृद्धि मूल सीमा शुल्क को समाप्त करने के कारण नहीं हुई है। पिछली रक्षोपाय जाँचों में, महानिदेशक ने आयात के रुझानों की जाँच करने के लिए पिछले समय की जानकारी (आंकड़ों) की भी जाँच की है।
- iii. आयात में प्रारंभ में 2017-18 से गिरावट आई थी और इसमें वृद्धि केवल 2022-23 से शुरू हुई। यह तथ्य कि आयात लगातार चार वर्षों तक उसी 'शून्य-शुल्क व्यवस्था' के तहत कम बने रहे, शुल्क में कटौती और आयात में कथित वृद्धि के बीच किसी भी संबंध को तोड़ देता है।
- iv. एच एस कोड 2917 3920 के लिए डी जी एफ टी आंकड़ों का आधार यह दर्शाता है कि 2017 में शुल्क समाप्त होने के बाद से आयात में वृद्धि नहीं हुई है। सबसे हाल की अवधि में आयात, 2017-18 के आयात की तुलना में कम हैं। शुल्क रियायतों के परिणामस्वरूप आयात में वृद्धि की शर्त पूरी नहीं होती है।
- v. 6-अंकीय स्तर पर उपलब्ध आंकड़े यह दर्शाते हैं कि वर्ष 2017-18 के बाद से आयात का मूल्य ₹ करोड़ में बढ़ा नहीं है, बल्कि इसमें उतार-चढ़ाव आया है।
- vi. 2022-23 में शुरू हुई आयात में वृद्धि का कारण गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यू सी ओ) है, जिसने थैलेट की मात्रा को 500 एमजी/ किग्रा. से कम तक सीमित कर दिया; जिसके कारण डाउनस्ट्रीम निर्माताओं को पारंपरिक थैलेट प्लास्टिसाइजर जैसे डी ओ पी से हटकर गैर-थैलेट विकल्पों जैसे डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच को अपनाने के लिए विवश होना पड़ा।
- vii. भले ही डी जी सी आई एंड एस की जानकारी से जांच अवधि में आयात में बढ़ोतरी दिखती हो, लेकिन यह बढ़ोतरी शुल्क समाप्त होने की वजह से नहीं है।

- viii. आवेदन में 2017-18 से 2021-22 तक आयात में आई कमी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है, और न ही यह बताया गया है कि इस कमी का, शुल्क खत्म होने और आयात में बढ़ोतरी के बीच के कारणात्मक संबंध पर क्या असर पड़ता है।
- ix. आयात में अचानक और हाल की बढ़ोतरी की जांच करने की ज़रूरत को देखते हुए, आयात की जांच 2021-22 के बजाय 2022-23 से की जानी चाहिए। इसके अलावा, 2022-23 को आधार वर्ष मानना सही होगा, क्योंकि नियमों में बदलाव की वजह से मांग में बढ़ोतरी 2022-23 से ही शुरू हुई है।
- x. यह नहीं माना जा सकता कि सीमाशुल्क न होने की वजह से दूसरे देशों से आयात में बढ़ोतरी नहीं हुई। इसकी जांच की जानी चाहिए कि क्या ताइवान या मलेशिया में इस उत्पाद का ज़्यादा मात्रा में आयात करने के लिए पर्याप्त क्षमता मौजूद है।
- xi. 2022-23 से आयात में बढ़ोतरी की दर, मांग में बढ़ोतरी की दर के बराबर हैं।
- xii. भले ही वर्ष 2021-22 को आधार माना जाए, फिर भी कोरिया से भारत को होने वाला निर्यात, दूसरे देशों को होने वाले निर्यात के ही अनुरूप है।
- xiii. आयात में यह बढ़ोतरी अचानक नहीं हुई है, बल्कि सी ई पी ए के तहत शुल्क को चरणबद्ध तरीके से खत्म किए जाने की वजह से इसका पहले से ही अनुमान लगाया जा सकता था। इसलिए, किसी भी तरह की आपातकालीन कार्रवाई की कोई ज़रूरत नहीं है।
- xiv. आयात में बढ़ोतरी की मुख्य वजह मांग में हुई बढ़ोतरी है, जिसे आवेदक (घरेलू उद्योग) अपनी क्षमता या समय की कमी के चलते पूरा नहीं कर पाया है।
- xv. सी ई पी ए के तहत शुल्क को खत्म करने का निर्णय अचानक नहीं लिया गया था, और आवेदक के पास इस प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयारी करने का पर्याप्त समय था।

- xvi. घरेलू उद्योग, सी ई पी ए के तहत टैरिफ खत्म होने और आयात में बढ़ोतरी के बीच कोई सीधा संबंध स्थापित करने में नाकाम रहा है। यूएस - स्टील रक्षोपाय मामले में पैनल ने यह फैसला दिया था कि किसी भी अप्रत्याशित घटनाक्रम और आयात में बढ़ोतरी के बीच एक तार्किक संबंध होना ज़रूरी है।
- xvii. आवेदक, 2024-25 में हुए नुकसान और जनवरी 2017 में टैरिफ समाप्त होने के बीच कोई कारणात्मक संबंधी स्थापित करने में पूरी तरह से विफल रहा है। जनवरी 2017 के बाद से आयात की स्थिति और शुल्क समाप्त होने के बाद के घटनाक्रमों के बारे में कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है।
- xviii. आवेदक ने यह जानकारी छिपा ली है कि उसने 2020 से संबंधित सामान का उत्पादन शुरू कर दिया था, जबकि उसे पूरी जानकारी थी कि कोरिया से आयात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगता है और केमिकल्स का पंजीकरण, मूल्यांकन, प्राधिकारी और प्रतिबंध (पहुंच विनियमन) तथा 'पर्यावरण, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा' (ई ओ एच एस गाइडलाइंस) जैसे उपायों के कारण मांग बढ़ गई है। ये उपाय मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा के लिए बनाए गए हैं और विभिन्न उद्योगों में केमिकल के उपयोग को नियंत्रित करते हैं। इन उपायों के कारण आयात की आवश्यकता पड़ी, क्योंकि भारत में नॉन-थैलेट प्लास्टिसाइज़र का कोई उत्पादन नहीं हो रहा था।
- xix. कच्चे माल की कमी, रिएक्टरों की सफाई, रखरखाव और उत्पाद मिश्रण में बदलाव के कारण घरेलू उद्योग को जिन शटडाउन (उत्पादन बंद होने) का सामना करना पड़ा, उसके परिणामस्वरूप भी आयात में वृद्धि हुई है।
- xx. 2022-23 से आयात में वृद्धि का कारण गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी होना है, जिसमें कुछ प्रकार के फुटवियर के लिए नॉन-थैलेट प्लास्टिसाइज़र का उपयोग अनिवार्य कर दिया गया है; इसका कारण कोई अन्य बात नहीं है।
- xxi. डी ई एच सी एच के आयात में बढ़ोतरी का कारण भारत में उत्पादकों को पेश आ रही तकनीकी और आपूर्ति संबंधी बाधाएँ हैं; यह उत्पाद वैश्विक स्तर पर केवल कुछ ही उत्पादकों के पास उपलब्ध है।

- xxii. डाउनस्ट्रीम उद्योग के विकास के कारण मांग में हुई बढ़ोतरी को देखते हुए आयात में वृद्धि हुई है।
- xxiii. शुल्क हटाए जाने के 4-8 साल बाद आयात में वृद्धि हुई है, और इस वृद्धि का श्रेय शुल्क हटाए जाने को नहीं दिया जा सकता। शुल्क 2017 में हटाए गए थे, और तब से भारत में उपभोक्ताओं ने निर्धारित मूल्य संरचनाओं और सोर्सिंग निर्णयों के साथ दीर्घकालिक व्यवस्थाएँ और अनुबंध किए हैं।
- xxiv. विचाराधीन आयात में इसलिए वृद्धि हुई है क्योंकि हनव्हा सॉल्यूशंस कॉर्पोरेशन ने डी ई एच सी एच को विकसित और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध कराया है, जिसे किसी अन्य उत्पादक ने विकसित नहीं किया है।
- xxv. शुल्क रियायतें हटाए जाने के बाद कोरिया से होने वाले आयात में काफी गिरावट आई है।
- xxvi. नियामक परिवर्तनों से पहले, डायोक्टाइल थैलेट ("डीओपी") का बड़ी मात्रा में आयात किया जाता था। इसे ध्यान में रखते हुए, डी ओ पी और डी ओ टी पी के आयात संबंधी आँकड़े यह दर्शाते हैं कि 2017-18 के बाद से भारत में आयात में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

ज.2. घरेलू उद्योग के विचार

69. आयात में वृद्धि के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- सीमा शुल्क में कमी के परिणामस्वरूप, विचाराधीन आयात पूर्ण और सापेक्ष दोनों ही अर्थों में बढ़ गए हैं।
 - क्षति जाँच अवधि के दौरान, विचाराधीन आयात 6,500 मी. ट. से बढ़कर 40,000 मी. ट. हो गए हैं, जो 500% से भी अधिक की वृद्धि दर्शाते हैं।
 - इस दावे के विपरीत कि आयात के रुझानों को शुल्क की समाप्ति के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए, कोरिया से फेरो मोलिब्डेनम के आयात से संबंधित द्विपक्षीय रक्षोपाय जाँच में, महानिदेशक ने यह निर्णय दिया था कि आयात में लगातार और निरंतर वृद्धि होना आवश्यक नहीं है।

- iv. यह तर्क कि क्षति को 2017 में शुल्क की समाप्ति से जोड़ा जाना चाहिए, संक्रमण अवधि से संबंधित प्रावधानों को निरर्थक बना देता है। संक्रमण अवधि का प्रावधान पक्षकारों को संक्रमण काल के दौरान किसी भी समय, न कि केवल शुल्क समाप्ति के बाद, निवारण की मांग करने की अनुमति देने के लिए है।
- v. जाँच अवधि के दौरान, भारतीय उत्पादन में 15% की वृद्धि होने के बावजूद, उत्पादन के सापेक्ष विचाराधीन आयात में 147% की वृद्धि हुई है। यदि उत्पादन में यह वृद्धि न हुई होती, तो सापेक्ष अर्थों में आयात में हुई वृद्धि कहीं अधिक होती।
- vi. जाँच अवधि के दौरान, विचाराधीन आयात में 522% की वृद्धि हुई है, जबकि माँग में केवल 247% की वृद्धि हुई है।
- vii. आयात में हुई वृद्धि को माँग में हुई वृद्धि के आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि घरेलू उद्योग के पास माँग की पूर्ति करने के लिए पर्याप्त क्षमताएँ उपलब्ध हैं।
- viii. अनुच्छेद 2.22 की पाद-टिप्पणी में यह प्रावधान है कि सी ई पी ए के किसी पक्ष से होने वाले आयात पर उपाय केवल तभी लागू किए जा सकते हैं, जब विचाराधीन देश से होने वाले आयात में वृद्धि के कारण क्षति हुई हो और अन्य देशों से होने वाले आयात में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति न हुई हो। अन्य पक्षकारों के तर्कों के विपरीत, पाद-टिप्पणी के शेष भाग से अलग करके, केवल "अकेले" शब्द पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। वर्तमान मामले में, केवल कोरिया से होने वाले आयात में वृद्धि हुई है, और गैर-विचाराधीन आयात में हुई वृद्धि के कारण कोई क्षति नहीं हो सकती।
- ix. सी ई पी ए के अंतर्गत प्रदान की गई रियायतों के कारण, जिससे भारत में कम कीमतों पर आयात की अनुमति मिली है, विचाराधीन आयात ने माँग पर अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया है।
- x. सीमा शुल्क हटाने का उद्देश्य कोरियाई आयातकों को बाज़ार में ज़्यादा पहुँच देना है, न कि भारत में प्लांट लगाने में रुकावट डालना या नुकसान पहुँचाना।

- xi. बिना शुल्क वाले आयातों की पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री लागत से कम है। अगर कस्टम ड्यूटी लगाई जाती है, तो इन सामानों की पहुंच कीमत, बिक्री कीमत और बिक्री लागत से ज्यादा होगी।
- xii. इन आयातों का बाजार में हिस्सा बढ़ा है, जबकि भारतीय उद्योग का हिस्सा घटा है।
- xiii. घरेलू उद्योग द्वारा बनाया गया उत्पाद आर ई ए सी एच मानकों के अनुरूप है; इसलिए, यह दावा कि कोरिया गणराज्य से आयातों इसलिए बढ़े क्योंकि वे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप थे, गलत है।
- xiv. घरेलू उद्योग अपनी बिक्री की मात्रा तभी बनाए रख पाया है, जब उसने बिना शुल्क वाले भारी मात्रा में आयातों से मुकाबला करने के लिए अपनी कीमतें कम की हैं। इससे घरेलू उद्योग के मुनाफे में काफी गिरावट आई है।
- xv. फ़थैलेट प्लास्टिसाइजर में जहरीलेपन के बारे में बढ़ती जागरूकता के कारण, इन आयातों की माँग बढ़ी है। हालाँकि, आयातों में हुई वृद्धि, माँग में हुई बढ़ोतरी से कहीं ज्यादा है।
- xvi. हितबद्ध पक्षकारों के दावों के विपरीत, जाँच की अवधि के दौरान आयातों में वर्ष-दर-वर्ष काफी वृद्धि हुई है। यह बढ़ोतरी इस बात को देखते हुए और भी ज्यादा साफ़ नज़र आती है कि भारतीय उद्योग के पास माँग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता मौजूद है।
- xvii. यह तर्क कि 4 साल की अवधि पर विचार नहीं किया जाना चाहिए, महानिदेशक द्वारा पिछली कई जाँचों में अपनाई गई कार्यप्रणाली के विपरीत है।
- xviii. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने विरोधाभासी तर्क दिए हैं; एक तरफ़ उन्होंने हाल के आयातों की जाँच की माँग की है, तो दूसरी तरफ़ 2017 से हुए आयातों की जाँच की माँग की है।
- xix. यह देखते हुए कि माँग बढ़ी है, और केवल कोरिया से होने वाले आयातों में ही बढ़ोतरी हुई है, यह साफ़ ज़ाहिर होता है कि आयातों में हुई यह बढ़ोतरी केवल सीमा शुल्क हटाने के कारण हुई है। शुल्क में मिली छूट के कारण

कोरिया के उत्पादक, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री लागत से भी कम कीमतों पर अपने उत्पाद निर्यात कर पा रहे हैं।

- xx. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि आयातों में हुई बढ़ोतरी को 2022-23 के नज़रिए से देखा जाना चाहिए। हालाँकि, यह दावा अपनाई गई कार्यप्रणाली के अनुरूप नहीं है।
- xxi. कोरिया द्वारा भारत को किए गए निर्यात और तीसरे देशों को किए गए निर्यात के बीच तुलना करने की कोई आवश्यकता नहीं है। किसी भी स्थिति में, अन्य पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत जानकारी से पता चलता है कि 2019-20 की तुलना में 2024-25 में कोरिया से भारत को होने वाले निर्यात में 627% की वृद्धि हुई है, जबकि इसी अवधि में तीसरे देशों को होने वाले निर्यात में 305% की वृद्धि हुई है।
- xxii. इसके अलावा, उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से पता चलता है कि कोरिया से भारत को होने वाला निर्यात, तीसरे देशों को होने वाले निर्यात से अधिक है; और 2019-20 से 2024-25 के दौरान, कोरिया से भारत को होने वाले निर्यात का हिस्सा 46% से बढ़कर 60% हो गया है।
- xxiii. इस दावे के विपरीत कि आयात में बढ़ोतरी बी आई एस आदेश के कारण हुई है, बी आई एस आदेश आयात को ज़रूरी नहीं बनाता, क्योंकि भारतीय उद्योग के पास भारत में बढ़ी हुई मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता है। इसके अलावा, मांग में बढ़ोतरी सभी देशों के लिए एक अवसर खोलती है, फिर भी, सीमा शुल्क छूट के कारण आयात केवल कोरिया गणराज्य से बढ़ा है।
- xxiv. उपयोगकर्ताओं के दावों के विपरीत, घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किया गया उत्पाद ग्राहकों के गुणवत्ता मानकों को पूरा करता है। पॉली मेडिक्योर लिमिटेड के साथ हुए संवादों से पता चलता है कि उसने पहली बार 2021 में उत्पाद खरीदे थे और नियमित रूप से घरेलू उद्योग से खरीदारी शुरू कर दी थी। उसने केवल कम कीमतों के कारण आयात करना शुरू किया है।
- xxv. चूंकि आयातित डी ई एच सी एच, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी का विकल्प है, इसलिए ऐसा नहीं है कि भारत में उत्पादन की कमी के कारण

डी ई एच सी एच का आयात किया गया है। इसके अलावा, डी ई एच सी एच के आयातकों ने घरेलू उद्योग से भी संबद्ध वस्तु की खरीद की है।

xxvi. क्यू सी ओ को अनिवार्य नहीं बनाया गया है और उपयोगकर्ताओं का नॉन-थैलेट प्लास्टिसाइजर की ओर जाना भविष्य में अनिवार्य क्यू सी ओ की आशंका के कारण है।

xxvii. अन्य पक्षकारों की इस दलील के विपरीत कि वैश्विक अतिरिक्त क्षमता के कारण घरेलू उद्योग को कोई नुकसान नहीं हुआ है, आयात केवल कोरिया से बढ़ा है, अन्य देशों से नहीं।

xxviii. रिएक्टरों की सफाई, रखरखाव और उत्पाद मिश्रण में बदलाव के कारण होने वाले शटडाउन नियमित शटडाउन होते हैं और इनके कारण आयात में बढ़ोतरी नहीं हो सकती। इसके अलावा, हाल के समय में ऐसे कारणों से कोई शटडाउन नहीं हुआ। दूसरी ओर, घरेलू उद्योग को कम कीमत वाले आयात के कारण ऑर्डर की कमी के चलते शटडाउन का सामना करना पड़ा है।

ज.3. महानिदेशक द्वारा जाँच

70. सी ई पी ए में यह प्रावधान है कि द्विपक्षीय रक्षोपाय तब लागू किए जा सकते हैं, जब विचाराधीन उत्पाद "इतनी अधिक मात्रा में" आयात किया जा रहा हो, चाहे वह "पूर्ण रूप से हो या घरेलू उत्पादन के सापेक्ष", और ऐसी शर्तों के तहत आयात किया जा रहा हो कि, केवल दूसरे पक्ष से ही ऐसे माल का आयात, समान या सीधे तौर पर प्रतिस्पर्धी माल का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति या उसकी आशंका का एक मुख्य कारण बन जाए। इस संबंध में विचार किए गए प्रासंगिक प्रावधान निम्नलिखित हैं।

"अनुच्छेद 2.22

केवल संक्रमण अवधि के दौरान यदि इस करार के अन्तर्गत किसी सीमा शुल्क में कटौती या समाप्ति के परिणामस्वरूप दूसरे पक्षकार के उद्गम वाली वस्तु को समग्र रूप से या घरेलू उत्पादन के संबंध में और ऐसी दशाओं में ऐसी बड़ी हुई मात्रा में किसी पक्षकार के क्षेत्र में आयातित किया जा रहा हो, जहां केवल दूसरे पक्षकार से ऐसी वस्तु के आयात समान या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी

वस्तु का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग के लिए गंभीर क्षति या उसके खतरे का पर्याप्त कारण बनते हों, वहां पक्षकार निम्नलिखित कर सकता है:

- (क) इस करार के अन्तर्गत प्रदत्त वस्तु पर सीमा शुल्क की किसी दर की आगे कटौती को रोकना; या
- (ख) उस वस्तु पर सीमा शुल्क की दर में उस स्तर पर वृद्धि जो निम्न में से कमतर से अधिक न हो;
 - (i) उपाय किए जाने के समय उस वस्तु पर प्रभावी सीमा शुल्क की एम एफ एन लागू दर; और
 - (ii) इस करार के लागू होने की तारीख से तत्काल पहले दिन को उस वस्तु पर प्रभावी सीमा शुल्क की एम एफ एन लागू दर।“

71. महानिदेशक ने ऊपर बताए गए सिद्धांतों के आधार पर, विचाराधीन उत्पाद के आयात में हुई वृद्धि का विश्लेषण किया है।
72. यह नोट किया गया है कि कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि आयात पर विचार 2017-18 से किया जाना चाहिए, जबकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि आयात का विश्लेषण 2022-23 से किया जाना चाहिए। विचार किए गए समय-काल के संबंध में, यह पाया गया है कि चार वर्षों की जांच अवधि, जिसमें सबसे हाल का समय-काल भी शामिल है, वर्तमान जांच के उद्देश्य के लिए प्रासंगिक है। यह अवधि महानिदेशक को घरेलू उद्योग की स्थिति के साथ-साथ आयात में हुई वृद्धि की जांच करने का अवसर भी प्रदान करती है।
73. इस तर्क के संबंध में कि आयात में वृद्धि केवल हाल के समय-काल में हुई है न कि 2017-18 से या मूल सीमा शुल्क को समाप्त किए जाने के समय से, यह पाया गया है कि सी ई पी ए और नियमों के तहत, द्विपक्षीय रक्षोपाय तब लागू किए जा सकते हैं, जब शुल्कों में कमी या उनकी समाप्ति के परिणामस्वरूप आयात में वृद्धि हुई हो। तथापि, ये उपाय संक्रमण काल के दौरान किसी भी समय लागू किए जा सकते हैं; अर्थात्, शुल्क-समाप्ति या शुल्क-कटौती की प्रक्रिया पूरी होने की तिथि से लेकर दस वर्षों तक की अवधि के भीतर। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि सी ई पी ए का अनुच्छेद 2.22, संक्रमण काल के दौरान आयात में वृद्धि होने पर किसी भी समय

रक्षोपाय लागू करने का प्रावधान करता है, यह स्पष्ट होता है कि आयात में हुई वृद्धि का, मूल सीमा शुल्क की समाप्ति या कटौती के तुरंत बाद होना अनिवार्य नहीं है। इन प्रावधानों से संबंधित पाद-टिप्पणी इस संबंध में निम्नलिखित बातों को और अधिक स्पष्ट करती है:

“यह निर्धारण कि कोई मूल-उत्पाद इस समझौते के तहत निर्धारित सीमा शुल्क में कमी या उसकी समाप्ति के परिणामस्वरूप आयात किया जा रहा है, केवल तभी किया जाएगा, जब ऐसी कमी या समाप्ति आयात में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला एक कारण हो, भले ही वह कारण किसी अन्य कारण के बराबर या उससे अधिक न हो। ऐसी कमी या समाप्ति के प्रारंभ अथवा समापन तथा आयात में वृद्धि के बीच कुछ समय बीत जाने मात्र से, इस पाद-टिप्पणी में संदर्भित निर्धारण करने में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी। यदि आयात में हुई वृद्धि का ऐसी कमी या समाप्ति से कोई संबंध न होना स्पष्ट रूप से सिद्ध हो जाता है, तो इस पाद-टिप्पणी में संदर्भित निर्धारण नहीं किया जाएगा।”

74. तदनुसार, महानिदेशक इस बात की जांच करेंगे कि (क) क्या कोरिया गणराज्य से आयात में वृद्धि हुई है, और (ख) क्या शुल्कों को समाप्त करने से आयात में हुई वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। महानिदेशक ने चार वर्षों की जांच अवधि के दौरान कोरिया गणराज्य और अन्य देशों से हुए आयात पर विचार किया है। जांच अवधि के लिए आयात की मात्रा से संबंधित प्रासंगिक जानकारी नीचे दी गई है।

क. पूर्ण रूप में आयात

75. पिछले वर्षों के दौरान पूर्ण रूप में आयात से संबंधित जानकारी नीचे दी गई है।

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	6,484	16,371	35,203	42,157
अन्य देशों से आयात	1,187	2,574	1,134	2,532

76. यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध आयात में 550% की वृद्धि हुई है। जबकि संबद्ध देशों से आयात में 550% की वृद्धि हुई है, अन्य देशों से आयात में केवल 113% की वृद्धि हुई है, जो केवल 2,532 एम टी है। इसके अलावा, संबद्ध देश से आयात में वर्ष-दर-वर्ष जांच अवधि में वृद्धि हुई है और सबसे हाल की अवधि में सबसे अधिक थी।

ख. घरेलू उत्पादन के संबंध में आयात

77. पिछले वर्षों में घरेलू उत्पादन के संबंध में आयात में वृद्धि के बारे में जानकारी नीचे दी गई है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	मी. ट.	6,484	16,371	35,203	42,157
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	1,187	2,574	1,134	2,532
भारतीय उत्पादन	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	188	252
भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	237	286	257

78. यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात ***% से बढ़कर ***% हो गया है। यह नोट किया गया है कि भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात 2023-24 तक बढ़ गया है और सबसे हाल की अवधि में इसमें 10% की गिरावट आई है। आवेदक ने प्रस्तुत किया है कि यह देश में दो अन्य घरेलू उत्पादकों के उत्पादन शुरू होने के परिणामस्वरूप कुल भारतीय उत्पादन में वृद्धि के कारण है। हाल के समय में इस तरह की गिरावट के बावजूद, आयात की हिस्सेदारी 2021-22 की तुलना में 157% बढ़ गई है।

ग। सीमा शुल्क हटाने के कारण आयात में वृद्धि

79. महानिदेशक यह भी जांच करेंगे कि क्या आयात में वृद्धि सीमा शुल्क के उन्मूलन के कारण हुई है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, यह आवश्यक नहीं है कि सीमा शुल्क के उन्मूलन के तुरंत बाद आयात में वृद्धि हो। महानिदेशक को यह जांच करने की आवश्यकता है कि क्या केवल तभी ऐसी कमी या उन्मूलन एक कारण है जो आयात में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस संबंध में महानिदेशक ने निम्नानुसार उल्लेख किया है।

क. संबद्ध देश से आयात की पहुंच कीमत अन्य देशों से आयात की कीमत से काफी कम है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	₹/मी. ट.	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398
अन्य देशों से आयात	₹/मी. ट.	1,57,104	1,22,807	1,23,389	1,21,137

ख. संबद्ध आयात की कीमत वर्तमान शुल्क स्तर पर घरेलू उद्योग की कीमतों से कम है। सबसे हाल की अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग को संबद्ध आयात की आयात कीमतों से निकटता से मेल खाने के लिए मजबूर किया गया है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	₹/मी. ट.	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398
घरेलू उद्योग की कीमतें	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	83	76

ग. यदि आयात की कीमतों की तुलना पायल समूह द्वारा आपूर्ति किए गए घरेलू उत्पादों की कीमतों से की जाए तो भी यही रुझान देखे जाते हैं।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	₹/मी. ट.	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398
पायल ग्रुप की कीमतें	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	85	78

घ. इससे घरेलू उत्पाद और अन्य देशों से आयात की तुलना में संबंधित देशों से आयात की मांग बढ़ गई है।

ड.. हालाँकि, यदि सीमा शुल्क में छूट नहीं दी गई होती, तो सभी वर्षों में, 2023-24 को छोड़कर, संबद्ध आयात की कीमत घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री कीमत से अधिक होती। इसके अलावा, संबद्ध आयात की कीमत अन्य देशों से आयात की पहुंच कीमत से अधिक है, जो 2021-22 में ऐसी कीमत से थोड़ी कम है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात (यदि सीमा शुल्क जोड़ा गया हो)	₹/मी. ट.	1,56,672	1,37,884	1,27,093	1,27,083
घरेलू उद्योग की कीमतें	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	83	76
पायल ग्रुप की कीमतें	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	85	78

अन्य देशों से आयात	₹/मी. ट.	157,104	122,807	123,389	121,137

80. इस प्रकार, यह नोट किया गया है कि सीमा शुल्क के उन्मूलन ने कोरिया गणराज्य से आयात में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे घरेलू आपूर्ति की तुलना में अन्य आयात की कीमतें अधिक आकर्षक हो गई हैं।
81. हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि मांग में वृद्धि के कारण आयात में वृद्धि हुई है। यह ध्यान दिया जाता है कि मांग में 262% की वृद्धि हुई है, जबकि संबद्ध आयात में 550% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, देश में क्षमता में वृद्धि के बावजूद, देश में आयात में वृद्धि, मांग में वृद्धि की तुलना में तेज गति से जारी है, जिससे घरेलू उत्पाद की मांग कम हो रही है। महानिदेशक ने उल्लेख किया कि भारत में क्षमता संबद्ध वस्तुओं की मांग से कहीं अधिक है। घरेलू उद्योग की क्षमता स्वयं *** एमटी है, जो स्वयं पूरी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। इसके अलावा, आयात में वृद्धि केवल संबद्ध देश से है और सभी देशों से नहीं। इस प्रकार आयात में वृद्धि, भारत और कोरिया गणराज्य के बीच सीईपीए के अनुसरण में किए गए दायित्वों के कारण है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	मी. ट.	6,484	16,371	35,203	42,157
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	1,187	2,574	1,134	2,532
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	260	253
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	69	94	268
मांग	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	281	362

82. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि विभिन्न कारणों से घरेलू उद्योग के बंद होने और घरेलू उत्पादकों की गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति करने में असमर्थता के कारण आयात में वृद्धि हुई है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग को हाल की अवधि के दौरान कच्चे माल की कमी और उत्पाद मिश्रण में बदलाव के कारण किसी भी प्रकार के शट डाउन का सामना नहीं करना पड़ा। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की क्षमता *** एमटी है, जो भारत में मांग से बहुत अधिक है। इसलिए, यह नहीं माना जा सकता कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पाद की आपूर्ति करने में असमर्थता के कारण आयात में वृद्धि हुई है। उत्पाद की गुणवत्ता के संबंध में, यह नोट किया गया है कि इस अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री में भी वृद्धि हुई है। यह इंगित करता है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की गुणवत्ता ग्राहकों द्वारा स्वीकार की जा रही है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने अपने उपयोगकर्ताओं से लिखित संचार प्रदान किया है, जो इसकी गुणवत्ता की गवाही देता है।
83. जहां तक यह दलील है कि आयात में वृद्धि डी ई एच सी एच के उत्पादन की कमी के कारण हुई है, महानिदेशक नोट करते हैं कि डी ओ टी पी ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचा गया डी ई एच सी एच आयातित देश से आयातित डी ई एच सी एच के प्रतिस्थापन योग्य है और दोनों को एक ही उपभोक्ताओं द्वारा खरीदा जाता है और एक ही उद्देश्य के लिए परस्पर उपयोग किया जाता है। इस प्रकार, आयात में वृद्धि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद के लिए जिम्मेदार नहीं है।
84. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि कोरिया गणराज्य से भारत में निर्यात अन्य देशों को कोरिया गणराज्य से निर्यात के साथ तालमेल में चला है। पक्षकारों ने ऐसी प्रवृत्ति को दिखाने का दावा करते हुए आंकड़ों भी प्रस्तुत किया है। महानिदेशक नोट करते हैं कि ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है जिसके लिए किसी देश से भारत में आयात के साथ तुलना की आवश्यकता हो। किसी भी मामले में, अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों के आधार पर, भारत में आयात अन्य देशों को निर्यात की तुलना में बहुत तेज गति से बढ़ा है। इसके अलावा, अकेले कोरिया गणराज्य से भारत में निर्यात अन्य सभी देशों के कोरियाई निर्यात से अधिक है।

विवरण	इकाई	2019-20	2020-	2021-	2022-	2023-	2024-
-------	------	---------	-------	-------	-------	-------	-------

			21	22	23	24	25
तीसरे देशों को आयात मात्रा	मी. ट.	6,466	7,338	11,865	15,383	29,662	26,209
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	183	238	459	405
भारत को आयात मात्रा	मी. ट.	5,485	6,811	6,405	16,912	31,530	39,860
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	117	308	575	727
कुल आयात	मी. ट.	11,951	14,149	18,270	32,295	61,192	66,069
भारत का हिस्सा	%	46%	48%	35%	52%	52%	60%

* पॉली मेडिक्योर लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराए गए ट्रेड मैप आंकड़ों के अनुसार

85. इस प्रकार, यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान कोरिया गणराज्य से आयात में पूर्ण रूप से और साथ ही भारतीय उत्पादन के संबंध में, दोनों ही मामलों में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, आयात में यह वृद्धि भारत और कोरिया गणराज्य के बीच हुए समझौते के तहत दी गई रियायतों के अनुसरण में सीमा शुल्क को समाप्त किए जाने का परिणाम है।

झ. क्षति और कारणात्मक संबंध

झ.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

86. क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में अन्य हितधारक पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- आवेदक द्वारा प्रदान किए गए आंकड़े क्षति विश्लेषण के लिए वस्तुनिष्ठ नहीं हैं, क्योंकि आवेदक डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच के लिए अलग-अलग प्रदर्शन आंकड़ों प्रदान करने में विफल रहा है। आवेदन मुख्य रूप से डी ओ टी पी पर केंद्रित है, न कि डी ई एच सी एच पर। उत्पाद-वार आयात मात्रा,

कीमत कटौती, बाजार हिस्सा, कीमत ह्रास/न्यूनीकरण और घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों की जांच करने की आवश्यकता है।

- ii. हालांकि घरेलू उद्योग के कुछ मापदंडों में गिरावट आई है, वहीं अन्य स्थिर रहे हैं या उनमें सुधार हुआ है।
- iii. यह दिखाने के लिए कोई जानकारी नहीं दी गई है कि आयात उस दर से बढ़ने की संभावना है जिससे कोई आसन्न गंभीर क्षति हो सकती हो।
- iv. आयात की कीमतें वैश्विक कीमत प्रवृत्तियों के अनुरूप रही हैं, जिसमें 2022-23 में वैश्विक अधिशेष आपूर्ति और कम फीडस्टॉक लागत के कारण आई गिरावट भी शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू कीमतों में भी गिरावट आई। इस प्रकार, कीमत कटौती स्थिर नहीं है, बल्कि लागत की स्थितियों पर निर्भर करती है।
- v. कोरिया से आयात का संकेन्द्रण भी क्षतिरहित व्यापारिक व्यवहार के बजाय वैश्विक आपूर्ति की गतिशीलता को दर्शाता है, क्योंकि डी ई एच सी एच के लिए विशेष स्वामित्व वाली तकनीक की आवश्यकता होती है जो केवल हान वहा के पास उपलब्ध है।
- vi. अन्य देशों से आयात की कीमतें कोरिया से आयात की कीमतों की तुलना में अधिक हैं, जो यह दर्शाता है कि कीमत कटौती सभी आयातों के कारण नहीं हो रही है।
- vii. कोरिया से आयात की पहुंच कीमत अन्य देशों से आयात की पहुंच कीमत की तुलना में कम है; यह स्थिति 2021-22 में भी बनी हुई थी, जबकि उस समय घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं पहुंची थी।
- viii. कोरिया से आयात की पहुंच कीमत में आई गिरावट, अन्य देशों से आयात की पहुंच कीमत में आई गिरावट की तुलना में कम है।
- ix. कोरिया गणराज्य के उत्तर देने वाले उत्पादकों की प्रतिक्रियाएं यह दर्शाती हैं कि निर्यात कीमतों में की गई कमी का मुख्य कारण बिक्री की लागत में हुई तदनुरूपी कमी थी।

- x. कीमत कटौती की स्थिति सुसंगत नहीं है, और परिणामस्वरूप, कीमत ह्रास और न्यूनीकरण की बात को स्थापित नहीं किया जा सकता है।
- xi. बिक्री की लागत में कमी के कारण कोरिया से आयात की कीमत कम हो गई है।
- xii. डी ई एच सी एच की कीमत डी ओ टी पी से 10% ज़्यादा है, जिससे पता चलता है कि यह एक बेहतर उत्पाद है और डी ओ टी पी की जगह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इतना महंगा उत्पाद घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव नहीं डाल सकता।
- xiii. उत्पादन और बिक्री में बढ़ोतरी, क्षति के दावों के विपरीत है। हाल के समय में नुकसान का जो दावा किया गया है, वह नए उत्पादकों के आने और लागत से जुड़े दूसरे कारणों की वजह से है।
- xiv. घरेलू उद्योग की बिक्री 2023-24 तक मांग में बढ़ोतरी के हिसाब से बढ़ी है, और 2024-25 में इसमें सिर्फ इसलिए कमी आई क्योंकि भारत में दूसरे उत्पादकों की बिक्री बढ़ गई थी।
- xv. नए उत्पादकों के आने से बाज़ार खुद-ब-खुद स्थिर हो जाएगा, क्योंकि उत्पादन क्षमता मांग के बराबर हो जाएगी।
- xvi. घरेलू उद्योग का बाज़ार हिस्सा इसलिए कम हुआ है, क्योंकि भारत में दूसरे उत्पादकों का बाज़ार हिस्सा बढ़ गया है।
- xvii. आबद्ध खपत में भी काफ़ी बढ़ोतरी हुई है, जिससे पता चलता है कि आवेदक के डाउनस्ट्रीम सेगमेंट की मांग बढ़ रही है।
- xviii. मालसूची में बढ़ोतरी की वजह नए उत्पादकों का आना, इस उत्पाद के लिए एक खास संयंत्र शुरू करना और घरेलू बिक्री में बढ़ोतरी हो सकती है। आवेदक की घरेलू बिक्री, मालसूची में हुई बढ़ोतरी से कहीं ज़्यादा बढ़ी है।
- xix. जांच की अवधि के दौरान उपयोगिता की लागत बढ़ गई है। हालाँकि, केएलजे के वित्तीय बयानों से पता चलता है कि बिजली और कोयले की खपत में 30-40% की कमी आई है। ऐसे दावों की पुष्टि की जानी चाहिए।

- xx. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मूल्यहास लागत बढ़ गई है, जबकि उत्पादन क्षमता में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।
- xxi. 2023-24 में घरेलू उद्योग का लाभ बढ़ गया, क्योंकि उसने कच्चे माल की लागत में कमी के हिसाब से अपनी कीमतें कम नहीं कीं; इससे ज्ञात होता है कि उसकी कीमतें आयात से स्वतंत्र हैं।
- xxii. नियोजित पूंजी पर आय 2023-24 तक सकारात्मक बना रहा, लेकिन 2024-25 के दौरान गिरकर 3 पर पहुँच गया।
- xxiii. गंभीर क्षति का कोई साक्ष्य नहीं है, क्योंकि न तो पूरे उद्योग में काम बंद होने का कोई प्रमाण है, न ही ढांचागत दिवालियापन का, न ही उत्पादन में लगातार गिरावट का, और न ही परिचालन से जुड़े सभी पैमानों पर व्यापक गिरावट का।
- xxiv. समायोजन योजना में कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए कई योजनाएँ बताई गई हैं, जिससे यह ज़ाहिर होता है कि उद्योग को जो नुकसान हुआ है, उसकी वजह कार्यकुशलता में कमी है।
- xxv. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति अन्य कारकों के कारण है, जैसे कि कच्चे माल के आयात पर पाटनरोधी शुल्क, घरेलू खपत में वृद्धि, आंतरिक परिचालन संबंधी मुद्दे, इनपुट लागत में उतार-चढ़ाव और आपसी प्रतिस्पर्धा। चूंकि वर्ष 2017-18 से 2021-22 तक किसी भी प्रकार की क्षति का दावा नहीं किया गया है, अतः इससे यह स्पष्ट होता है कि 'मूल सीमा शुल्क' को समाप्त किया जाना घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का कारण नहीं है।
- xxvi. अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, उपाय तभी लागू किए जा सकते हैं जब किसी पक्ष से होने वाला आयात "अकेले" ही गंभीर क्षति का एक मुख्य कारण हो। यह जांचना आवश्यक है कि क्या घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति पूरी तरह और विशेष रूप से कोरिया से होने वाले आयात में वृद्धि के कारण है।
- xxvii. टैरिफ रियायतें क्षति का एक मुख्य कारण होनी चाहिए, न कि अनेक कारणों में से केवल एक।

- xxviii. इनमें कोई कारणात्मक संबंध नहीं है, क्योंकि वर्ष 2023-24 में आयात में सबसे अधिक वृद्धि हुई थी, लेकिन इस अवधि में घरेलू उद्योग के लाभ में 98% की वृद्धि हुई। इस अवधि के दौरान, कोरिया से आयात की कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में आई कमी के समानांतर ही कम हुईं। जबकि वर्ष 2024-25 में आयात में थोड़ी वृद्धि हुई और आयात की कीमतों में कोई खास कमी नहीं आई, तब घरेलू उद्योग को क्षति उठानी पड़ी।
- xxix. चूंकि घरेलू उद्योग ने घरेलू बाजार में डी ई एच सी एच की बिक्री नहीं की है, इसलिए इस उत्पाद के आयात से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं पहुंच सकती।
- xxx. क्षति का कारण घरेलू उद्योग की लागत संरचनाएं हैं; क्योंकि 2022-23 में वैश्विक कीमतें कम होने के बावजूद, घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में वृद्धि हुई है।
- xxxi. क्षति का कारण कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता, वैश्विक स्तर पर प्लास्टिसाइजर की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता और विनिमय दर में होने वाले उतार-चढ़ाव हैं; जिनका प्रभाव पहुंच कीमत, कीमतों की तुलनात्मकता, प्रतिस्पर्धी स्थिति और ब्याज लागत पर पड़ा है।

झ.2. घरेलू उद्योग के विचार

87. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- घरेलू उद्योग अपनी बिक्री की मात्रा को केवल अपनी कीमतें कम करके ही बनाए रख पाया है, ताकि वह शुल्क-मुक्त आयात की भारी मात्रा से प्रतिस्पर्धा कर सके। इसके कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है।
 - संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को कम कर दिया है, भले ही घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री कीमतें कम की हों और संबंधित वस्तुओं को अपनी लागत से भी कम कीमतों पर बेचा हो।

- iii. संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों पर भारी दबाव डाला है। वर्ष 2022-23 में, बिक्री की लागत में मामूली वृद्धि हुई, जबकि बिक्री कीमतों में 13% की गिरावट आई। वर्ष 2023-24 में, बिक्री की लागत और बिक्री कीमतें, दोनों में ही गिरावट आई। वर्ष 2024-25 में स्थिति और भी खराब हो गई, क्योंकि बिक्री की लागत में केवल 1% की गिरावट आई, जबकि बिक्री कीमतों में 8% की गिरावट दर्ज की गई।
- iv. वर्ष 2022-23 से, आयातित वस्तु की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम बनी रही है। निर्यातकों द्वारा कम कीमतें रखे जाने के कारण आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है। कम कीमतों पर होने वाले आयात में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- v. घरेलू उद्योग का उत्पादन और बिक्री, मांग के अनुरूप बढ़ने में विफल रहे हैं। जहाँ एक ओर उत्पादन में केवल 2% की वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर हाल के समय में बिक्री में 3% की गिरावट आई है।
- vi. क्षति उठाकर बिक्री के बावजूद भी, घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा बढ़ाने में असमर्थ रहा है और उसे अपना उत्पादन कम करने के लिए विवश होना पड़ा है। उत्पादन में यह कटौती तब भी की गई है, जब संबंधित उत्पाद की मांग में 247% की भारी वृद्धि हुई है।
- vii. घरेलू उद्योग की मालसूची में 95% की वृद्धि हुई है और हाल के समय में यह अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच गया है। यह वही समय-अवधि भी है, जब घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें पिछले चार वर्षों में अपने न्यूनतम स्तर पर बनी रही हैं।
- viii. वर्ष 2022-23 में, घरेलू उद्योग का समस्त लाभ पूरी तरह से समाप्त हो गया था, किंतु अगले वर्ष कच्चे माल की लागत में आई गिरावट के कारण लाभ में पुनः वृद्धि हुई। हालाँकि, आयात की कीमतें और गिर गईं और घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से नीचे चली गईं, जिसके कारण जाँच की अवधि में उसे नुकसान उठाना पड़ा।

- ix. हालाँकि क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कच्चे माल की लागत में कमी आई है, लेकिन बिक्री कीमत और कच्चे माल की लागत के बीच का अंतर काफी कम हो गया है।
- x. घरेलू उद्योग को अपने ग्राहक आधार को बनाए रखने के लिए नुकसान पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इससे वित्तीय स्थिति और नकदी प्रवाह में गिरावट आई है। जाँच की अवधि में नकद लाभ में 108% की गिरावट आई है और सबसे हाल की अवधि में यह नुकसान में बदल गया है।
- xi. जाँच की अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित पूंजी पर आय में 103% की गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने सबसे हाल की अवधि में नकारात्मक प्रतिफल दर्ज किया है।
- xii. वर्ष 2022-23 में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता बहुत कम थी, क्योंकि लागत बढ़ने के बावजूद आयात की कीमतें गिर गईं। हालाँकि 2023-24 में लागत में कमी आई, लेकिन घरेलू उद्योग ने इस अवधि में अपनी कीमतें कम नहीं कीं, जिससे उसे लाभ कमाने का मौका मिला। इसका परिणाम यह हुआ कि संबद्ध देश से कम कीमत वाले आयातों में भारी वृद्धि हुई। इस अवधि में संबंधित आयात सबसे अधिक थे।
- xiii. रियायतों के अभाव में, कोरिया गणराज्य से आयात की कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत से ऊपर होतीं।
- xiv. यह तर्क कि दोनों उत्पादों की क्षति के आकलन को मिलाने से एक की क्षति का श्रेय दूसरे को दिए जाने का जोखिम होगा, अतार्किक है, क्योंकि दोनों उत्पाद सीधे तौर पर प्रतिस्पर्धी हैं। इसके अलावा, पीसीएन-वार क्षति के मामलों में भी, महानिदेशक केवल पीसीएन आधार पर कीमत कटौती, क्षति के मार्जिन और पाटन का निर्धारण करते हैं और एक समेकित क्षति आकलन करते हैं।
- xv. क्षति का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के संदर्भ में घरेलू उद्योग के प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है, न कि विचाराधीन उत्पाद के प्रकार के संदर्भ में।

- xvi. अन्य हितबद्ध पक्षकार बिना किसी कानूनी आधार के क्षति के लिए अतिरिक्त मानदंड नहीं बना सकते हैं। क्षति का निर्धारण परिभाषित घरेलू उद्योग के लिए किया जाना है, न कि भारतीय उद्योग के लिए।
- xvii. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों के विपरीत, आवेदक ने दावा किया है कि वर्तमान जाँच में आयातों ने घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचाई है, न कि गंभीर क्षति का खतरा पैदा किया है। यह दिखाने की कोई आवश्यकता नहीं है कि आयात में बढ़ोतरी से आगे और नुकसान होने की संभावना है, या भविष्य में गंभीर नुकसान का खतरा है।
- xviii. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई दलीलों के विपरीत, यह मौजूदा जाँच डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच से संबंधित है, और कोरिया गणराज्य से डी ओ पी के आयात पर भरोसा नहीं किया जा सकता।
- xix. हालाँकि वर्ष 2017 में शुल्क हटा दिए गए थे, फिर भी वर्ष 2022-23 तक आयात में बढ़ोतरी नहीं हुई, और इसलिए, इससे घरेलू उद्योग को कोई नुकसान नहीं पहुँचा। घरेलू उद्योग 2021-22 में लाभ में था, और इसलिए, यह नहीं कहा जा सकता कि कोरिया से शून्य-शुल्क आयात के कारण उत्पादन शुरू करना एक गलत फैसला था।
- xx. यह दावा कि घरेलू उद्योग ने शुल्क हटाए जाने के बाद उत्पादन शुरू किया, तथ्यात्मक रूप से गलत है।
- xxi. अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री घरेलू उद्योग की बिक्री से कम है। घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट अन्य उत्पादकों के कारण नहीं हुई है।
- xxii. घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी संबंधित देश से आयात के कारण कम हुई है, न कि अन्य उत्पादकों की हिस्सेदारी बढ़ने के कारण। कुल भारतीय उद्योग की बाजार हिस्सेदारी कम हुई है, जबकि संबंधित आयातों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ी है।
- xxiii. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दावों के विपरीत, घाटे में बिक्री करने के बावजूद घरेलू उद्योग की मालसूची में बढ़ोत्तरी हो गयी है। इसके अलावा, मालसूची में

यह वृद्धि बिक्री में वृद्धि के कारण नहीं है, जैसा कि क्लोजिंग स्टॉक में वृद्धि से स्पष्ट है।

- xxiv. घरेलू उद्योग को हुई क्षति संबंधित वस्तुओं के आयात में वृद्धि के कारण है। घरेलू उद्योग को 2022-23 तक कोई क्षति नहीं हुई थी, क्योंकि सीमा शुल्क हटाए जाने के तुरंत बाद आयात में वृद्धि नहीं हुई थी।
- xxv. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दावों के विपरीत, यह क्षति कच्चे माल के आयात पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के कारण नहीं है। इस शुल्क ने भारतीय उद्योग को कोरियाई उद्योग के समकक्ष ला खड़ा किया है, क्योंकि कोरिया गणराज्य से आयातित कच्चे माल की कीमतें अब कोरिया गणराज्य के घरेलू बाजार में कच्चे माल की कीमतों के तुलनीय हैं।
- xxvi. मांग में वृद्धि को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है।
- xxvii. चूंकि व्यवसाय के सामान्य क्रम में संबंधित वस्तुओं की कीमतें कच्चे माल की कीमतों के अनुरूप बदलती हैं, इसलिए कच्चे माल की कीमतों में होने वाले बदलावों को क्षति का मापदंड नहीं माना जा सकता है।
- xxviii. ऐसी कोई परिचालन संबंधी समस्या नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची हो।
- xxix. आपसी प्रतिस्पर्धा के कारण कोई क्षति नहीं हुई है, क्योंकि अन्य घरेलू उत्पादकों को भी क्षति का सामना करना पड़ा है।
- xxx. यह क्षति घरेलू उद्योग द्वारा किए गए 'कैप्टिव उपभोग' (स्वयं के उपयोग) के कारण नहीं है, क्योंकि कुल उत्पादन और बिक्री की तुलना में यह मात्रा बहुत कम है।
- xxxi. आयात कीमतों में गिरावट बिक्री की लागत में कमी के कारण नहीं है, क्योंकि आयात कीमतों में गिरावट, बिक्री की लागत में हुई गिरावट की तुलना में कहीं अधिक है।

- xxxii. संबंधित आयातों की पहुंच कीमत उन आयातों की पहुंच कीमत से कम है जो असंबद्ध देशों से किए जाते हैं। यदि घरेलू उद्योग ने उन कीमतों पर बिक्री की होती जो अन्य देशों द्वारा पेश की जा रही थीं, तो उसे लाभ प्राप्त हुआ होता।
- xxxiii. घरेलू उद्योग की लागत अंतर्राष्ट्रीय लागतों के अनुरूप है।
- xxxiv. भारत में कीमतें, आयातित वस्तुओं की पहुंच कीमत में गिरावट के कारण कम हुई हैं। भारत में कीमतें आयातित वस्तुओं के कीमत रुझानों का अनुसरण करती हैं, क्योंकि भारत के बाज़ार में उनका हिस्सा सबसे अधिक है।
- xxxv. अन्य पक्षकारों के दावों के विपरीत, यद्यपि कुल उपयोगिता लागतों में वृद्धि हुई है, फिर भी उत्पादन में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग की प्रति इकाई उपयोगिता लागत में कमी आई है।
- xxxvi. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मूल्यह्रास लागत में वृद्धि नहीं हुई है। प्रदान की गई जानकारी का सत्यापन महानिदेशक द्वारा किया जा सकता है।
- xxxvii. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया है और न ही इसकी मात्रा निर्धारित की है कि आयात के अलावा अन्य किन कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची है। अन्य हितबद्ध पक्षों के लिए यह आवश्यक है कि वे ऐसे कारकों की पहचान करें, उनके अस्तित्व को सिद्ध करें और घरेलू उद्योग पर ऐसे कारकों के प्रभाव की मात्रा निर्धारित करें।
- xxxviii. इस उत्पाद के लिए कीमत निर्धारण की रणनीति बाज़ार में प्रचलित कीमतों पर निर्भर करती है, जो काफी हद तक आयातित वस्तुओं द्वारा निर्धारित होती है। अतः, घरेलू उद्योग को पहुंची क्षति का कारण आयातित वस्तुओं की कीमतें ही हैं।
- xxxix. चूंकि घरेलू उद्योग ने संबंधित वस्तुओं की बिक्री मुख्य रूप से घरेलू बाज़ार में ही की है, इसलिए विनिमय दर में होने वाले उतार-चढ़ाव का इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

झ.3. महानिदेशक द्वारा जांच

88. महानिदेशक ने वर्तमान जांच परिणामों में प्रस्तुत अभ्यावेदनों की जांच की है और उन पर विचार किया है। गंभीर क्षति और कारणात्मक संबंध से संबंधित नीचे दी गई जांच, सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदनों से संबंधित है। इस संबंध में निम्नलिखित प्रावधान प्रासंगिक हैं।

“नियम 2(च) "गंभीर क्षति" का मतलब है घरेलू उद्योग की स्थिति में कुल मिलाकर एक बड़ी गिरावट;

नियम 2(छ): "गंभीर क्षति का खतरा" का मतलब है गंभीर क्षति जो, सिर्फ आरोप, अंदाजे या दूर की संभावना के आधार पर नहीं, बल्कि तथ्यों के आधार पर, साफ तौर पर होने वाली है; और

...

नियम 7 गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे का निर्धारण-

महानिदेशक अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति का खतरा निर्धारित करेंगे, यथा:-

(क) महानिदेशक पूर्ण दृष्टि से और सापेक्ष दृष्टि से मूल देश के सामान के आयातों में वृद्धि की दर तथा मात्रा, मूल के सामान के बढ़े हुए आयातों द्वारा लिए गए घरेलू बाजार के हिस्से, बिक्री, उत्पादन, उत्पादकता, क्षमता उपयोग, लाभ और हानि तथा रोजगार के स्तर में परिवर्तन को विशेष रूप से उस उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले वस्तुपरक एवं मात्रात्मक सभी संगत कारकों का मूल्यांकन करेंगे; और

(ख) इस नियम के तहत निर्धारण तब तक नहीं किया जाएगा जब तक जांच वस्तुपरक साक्ष्य के आधार पर मूल देश के सामान के बढ़े हुए आयातों तथा उसकी गंभीर क्षति अथवा खतरे के बीच कारणात्मक संपर्क की मौजूदगी न दर्शाए और जब मूल देश के सामान के बढ़े हुए आयातों को छोड़कर कोई अन्य कारक साथ ही घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हों तो वह क्षति मूल देश के सामानों के बढ़े हुए आयातों के कारण नहीं होगी।

89. महानिदेशक ने उपरोक्त प्रावधानों के आलोक में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच की है।
90. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच के लिए अलग-अलग क्षति विश्लेषण का अनुरोध किया है। महानिदेशक ने उल्लेख किया है कि दोनों उत्पाद विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल हैं और ऊपर दिए गए संबंधित अनुभाग में विस्तृत रूप से बताए अनुसार सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं। यह विश्लेषण किया गया है कि दोनों उत्पादों की कीमतें एक साथ हैं। इसके अलावा, यह नोट किया गया है कि दोनों उत्पादों के ग्राहक सामान्य हैं और उक्त उत्पादों का परस्पर उपयोग करते हैं। इस प्रकार, अलग से क्षति विश्लेषण करने की कोई आवश्यकता नहीं है। वर्तमान जांच में क्षति विश्लेषण घरेलू उद्योग के प्रदर्शन और विचारधीन उत्पाद के आयात के समग्र प्रभाव के संबंध में किया गया है। यह भी ध्यान दिया जाता है कि पाटनरोधी जांच में भी, जिसमें महानिदेशक द्वारा अलग-अलग पीसीएन बनाए जाते हैं, विचाराधीन उत्पाद के लिए समग्र रूप से क्षति विश्लेषण करने की आवश्यकता होती है।
91. गंभीर क्षति का विश्लेषण करते समय, नियमों में उल्लिखित सभी कारकों के साथ-साथ अन्य कारकों को भी ध्यान में रखा गया है, जिन्हें महानिदेशक के ध्यान में लाया गया है और जिन्हें गंभीर क्षति के निर्धारण के लिए प्रासंगिक माना गया है। इस प्रकार गंभीर क्षति का निर्धारण उस उद्योग की स्थिति पर असर डालने वाले सभी प्रासंगिक कारकों के आलोक में घरेलू उद्योग की समग्र स्थिति के मूल्यांकन पर आधारित है।

झ. निरपेक्ष और सापेक्षिक रूप से आयात में वृद्धि की दर

92. जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, जांच की अवधि में आयात में 550% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, दो नए उत्पादों के बाजार में प्रवेश करने के बावजूद, उत्पादन के संबंध में भी आयात में वृद्धि हुई है। कुल आयात में आयात की हिस्सेदारी 2021-22 में 85% से बढ़कर 2024-25 में 94% हो गई है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	मी. ट.	6,484	16,371	35,203	42,157
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	1,187	2,574	1,134	2,532

भारतीय उत्पादन	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	188	252
भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	237	286	257
कुल आयात के संबंध में आयात	%	85%	86%	97%	94%

ii. कीमत में कटौती

93. यह नोट किया गया है कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संबद्ध आयात की कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है और कीमत में कटौती मामूली रूप से सकारात्मक है। इसलिए, घरेलू उद्योग हाल की अवधि के दौरान आयातित माल की कीमतों के साथ निकटता से प्रतिस्पर्धा कर रहा है।

विवरण	इकाई	2024-25
निवल बिक्री प्राप्ति	₹/मी. ट.	***
पहुंच कीमत	₹/मी. ट.	1,17,398
कीमत कटौती	₹/मी. ट.	***
कीमत कटौती	%	***
कीमत कटौती	रेंज	0-10%

94. इस संबंध में कि कोरिया आरपी से अन्य देशों के संबंध में आयात कीमतों की भी जांच की जानी चाहिए, महानिदेशक नोट करते हैं कि संबद्ध आयात की पहुंच कीमत गैर-संबद्ध आयात के पहुंच कीमत से कम है। इसके अलावा, जबकि संबद्ध आयात ने

हाल की अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतों को कम कर दिया है, गैर-संबद्ध आयात के मामले में कीमत कटौती नकारात्मक है।

विवरण	इकाई	2024-25
निवल बिक्री प्राप्ति	₹/मी. ट.	***
कोरिया गणराज्य से पहुंच कीमत	₹/मी. ट.	1,17,398
कीमत कटौती - कोरिया गणराज्य	₹/मी. ट.	***
कीमत कटौती	%	***
कीमत कटौती	रेंज	0-10%
अन्य देशों से पहुंच कीमत		1,21,137
कीमत कटौती - अन्य देश	₹/मी. ट.	***
कीमत कटौती - अन्य देश	%	***
प्रवृत्ति	रेंज	नकारात्मक

कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

95. महानिदेशक आगे यह नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की विक्रय लागत तथा विक्रय मूल्य दोनों में गिरावट आई है, किन्तु घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य में गिरावट, विक्रय लागत में हुई गिरावट से भी अधिक रही है। जहाँ विक्रय लागत में 10% की कमी हुई, वहीं विक्रय मूल्य में 24% की कमी दर्ज की गई। वर्ष 2022-23 के दौरान भी, जब घरेलू उद्योग की विक्रय लागत में वृद्धि हुई थी, तब भी घरेलू industry को अपनी कीमतें कम करने के लिए विवश होना पड़ा। वर्ष 2023-24 में विक्रय लागत में कमी आई, जिसके साथ घरेलू उद्योग को भी अपनी कीमतों में कमी करनी पड़ी। तथापि, नवीनतम अवधि अर्थात् 2024-25 में, घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों में 8% की कमी करनी पड़ी, जबकि विक्रय लागत में केवल 2% की कमी हुई। यह देखा गया है कि इस अवधि के दौरान आयातों की लैंडेड कीमत में भी

गिरावट आई है, और घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें आयात कीमतों के स्तर तक कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा। अतः, विचाराधीन आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को दबाया तथा उनमें अवसाद उत्पन्न किया है। यही प्रवृत्ति तब भी देखी जाती है जब तुलना कुल विक्रय लागत के स्थान पर कच्चे माल की लागत के साथ की जाती है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
बिक्री की लागत	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	92	90
कच्ची सामग्री की लागत	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	88	88
निवल बिक्री प्राप्ति	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	83	76
पहुंच कीमत	₹/मी. ट.	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	81	81

96. जहां तक इस बात का सवाल है कि डी ई एच सी एच एक अधिक कीमत वाला उत्पाद है और ऐसा उत्पाद घरेलू उद्योग पर मूल्य दबाव नहीं डाल सकता है, महानिदेशक नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान डी ई एच सी एच और डी ओ टी पी की पहुंच कीमत समान स्तर पर है।

उत्पाद	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
डी ओ टी पी	₹/मी. ट.	140,694	127,802	116,135	117,619

डी ई एच सी एच	₹/मी. ट.	149,622	126,488	120,683	116,854
------------------	----------	---------	---------	---------	---------

iv. उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री

97. क्षति की अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का प्रदर्शन निम्नानुसार था:

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
स्थापित क्षमता (संयंत्र)	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
समकक्ष क्षमता पीयूसी)	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन (संयंत्र)	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	73	40	33
पी यू सी को ध्यान में रखते हुए समतुल्य उत्पादन	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	105	98
उत्पादन (पी यू सी)	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	249	254
समकक्ष आधार पर क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	105	99

घरेलू बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	260	253
निर्यात बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	126	221
आबद्ध खपत	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	1,496	578

98. घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि उसके संयंत्र का उपयोग सामान्य रिएक्टरों का उपयोग करके थैलेट और गैर-थैलेट-आधारित प्लास्टिसाइजर के उत्पादन के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा, ऐसे रिएक्टरों द्वारा उत्पादित प्रत्येक उत्पाद को अपनी प्रतिक्रिया के लिए अलग-अलग मशीन घंटों की आवश्यकता होती है। इसलिए, विभिन्न उत्पादों की उत्पादन मात्रा को जोड़कर क्षति की अवधि में क्षमता उपयोग की तुलना नहीं की जा सकती है। ऐसा करने से ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी जिसमें पूर्ण रूप से कम उत्पादन के कारण एक अवधि में क्षमता उपयोग कम प्रतीत होगा, भले ही उत्पाद का चक्र समय अधिक होने के कारण संयंत्र को लंबे समय तक चलाया गया हो।
99. इसलिए, इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए, क्षमता को इस आधार पर व्यक्त किया गया है कि यदि मशीन पर केवल संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन किया जाता है, तो चक्र समय को ध्यान में रखते हुए कुल कितनी क्षमता का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, अन्य उत्पादों के उत्पादन को संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की समतुल्य इकाइयों में परिवर्तित कर दिया गया है, संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में लगने वाले समय बनाम अन्य उत्पाद पर विचार करते हुए। इसलिए, सभी क्षमता और उत्पादन के आंकड़ों को एक सामान्य आधार पर अंकित किया गया है।
100. महानिदेशक नोट करते हैं कि:
- जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता स्थिर रही है। घरेलू उद्योग की क्षमता वर्तमान मांग से अधिक है।

- ii. संबंधित वस्तुओं का उत्पादन और घरेलू उद्योग की बिक्री बढ़ी है। घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग का उत्पादन और बिक्री केवल लाभप्रदता से समझौता करने के कारण ही बढ़ी है। चूंकि संबंधित आयात की कीमतें बिक्री लागत और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थीं, इसलिए घरेलू उद्योग ने अपने बिक्री मात्रा के मानकों को बनाए रखने के लिए अपनी कीमतें कम कर दीं।
- iii. क्षमता उपयोग 2023-24 में बेहतर हुआ और सबसे हाल की अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई है।
- iv. घरेलू उद्योग की बिक्री 2023-24 तक बढ़ी है और सबसे हाल की अवधि में इसमें थोड़ी गिरावट आई है।
101. जहां तक यह दलील दी गई है कि घरेलू उद्योग के आबद्ध खपत में काफी वृद्धि हुई है, इसलिए कोई क्षति नहीं है, यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग का आबद्ध खपत, यहां तक कि अपने उच्चतम स्तर पर, यानी 2023-24 पर, इसके कुल उत्पादन का केवल 0.92% है और इसकी बिक्री का केवल 2.73% है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित अधिकांश उत्पाद मांग को पूरा करने के लिए आपूर्ति की जा रही है और एक नगण्य हिस्सा कैप्टिव रूप से उपभोग किया जा रहा है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
आबद्ध खपत	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	1,496	578
उत्पादन	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	249	254
घरेलू बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	260	253
आबद्ध के संबंध में					

उत्पादन	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	600	227
घरेलू बिक्री	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	569	227

v. मांग में बाजार हिस्सा

102. इस अवधि में संबद्ध आयात, घरेलू उद्योग और अन्य उत्पादकों की बाजार हिस्सेदारी निम्नानुसार थी।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
मांग					
घरेलू उद्योग बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	260	253
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	69	94	268
संबद्ध आयात	मी. ट.	6,484	16,371	35,203	42,157
अन्य आयात	मी. ट.	1,187	2,574	1,134	2,532
मांग	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	281	362
बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	93	70

अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	46	33	74
संबद्ध आयात	%	***	***	***	***
अन्य आयात	%	***	***	***	***

103. यह नोट किया गया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग और समग्र रूप से भारतीय उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आई है। जांच अवधि में गैर-संबद्ध आयातों की हिस्सेदारी में भी गिरावट आई है।
104. हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि घरेलू बाजार में अन्य उत्पादकों के प्रवेश के कारण घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में कमी आई है। हालांकि, यह नोट किया गया है कि अन्य भारतीय उत्पादकों की बाजार हिस्सेदारी में भी गिरावट आई है। इसके अलावा, गैर-संबद्ध आयातों की बाजार हिस्सेदारी भी कम हुई है। इस प्रकार, संबद्ध आयातों ने भारतीय उद्योग के साथ-साथ अन्य देशों से होने वाले आयातों की बाजार हिस्सेदारी को भी छीन लिया है।

vi. मालसूची

105. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची निम्नानुसार रही थी।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
आरंभिक मालसूची	मी.टन	***	***	***	***
अंतिम मालसूची	मी.टन	***	***	***	***
औसत मालसूची	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	66	83	195
बिक्री मात्रा	सूचीबद्ध	100	131	260	253

--	--	--	--	--	--

106. महानिदेशक नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची में वृद्धि हुई है और यह सबसे हाल की अवधि के दौरान उच्चतम स्तर पर थी।
107. हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि मालसूची में वृद्धि नए उत्पादकों के प्रवेश के कारण हुई है। महानिदेशक नोट करते हैं कि जहाँ एक ओर अन्य घरेलू उत्पादकों ने अपनी बाजार हिस्सेदारी खोई है, वहीं संबद्ध आयातों ने हाल की अवधि के दौरान बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। इसलिए, मालसूची में हुई इस वृद्धि का मुख्य कारण तार्किक रूप से संबद्ध आयातों को माना जा सकता है।

vii. रोजगार और उत्पादकता

108. महानिदेशक ने रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता से संबंधित जानकारी की जांच की है, जो नीचे दी गई है:

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	86	86
प्रति दिन उत्पादकता	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	249	254
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	137	292	297

109. महानिदेशक नोट करते हैं कि इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कर्मचारियों की संख्या में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारण उत्पादन में हुई वृद्धि है।

viii. लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय

110. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय नीचे दी गई तालिका में दिए गए हैं:

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
बिक्री लागत	₹/ मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	92	90
निवल बिक्री प्राप्ति	₹/ मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	83	76
लाभ/ (हानि) (पीबीटी)	₹/ मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	9	38	4
लाभ/ (हानि) (पीबीटी)	₹ लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	12	98	11
नकद लाभ	₹ लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	13	100	14
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	15	48	5
मूल्यह्रास	₹/ मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	71	105	71

पीबीडीआईटी	₹ लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	15	103	16
पीबीडीआईटी	₹/ मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	11	40	6
सुविधाओं की लागत	₹ लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	135	205	105
सुविधाओं की लागत	₹/ मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	82	41

111. महानिदेशक यह नोट करते हैं कि:-

- i. घरेलू उद्योग के लाभ में पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2022-23 में उल्लेखनीय गिरावट आई है। यद्यपि वर्ष 2023-24 में बिक्री कीमत में गिरावट आई, तथापि इसके साथ बिक्री लागत में भी गिरावट हुई, जिससे घरेलू उद्योग को कुछ मार्जिन प्राप्त हुआ।
- ii. वर्ष 2024-25 में, यद्यपि घरेलू उद्योग की विक्रय लागत में कमी आई है, तथापि विक्रय मूल्य में उससे कहीं अधिक गिरावट आई है। इससे घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इसमें तीव्र गिरावट आई है।
- iii. घरेलू उद्योग के नकद लाभों ने भी समान प्रवृत्ति का अनुसरण किया है। नकद लाभों में पूरे अवधि के दौरान 86% की गिरावट आई है।
- iv. घरेलू उद्योग के नियोजित पूंजी पर प्रतिफल (नियोजित पूंजी पर प्रतिफल) में अवधि के दौरान 95% की तीव्र गिरावट आई है।

112. हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि क्षमताओं में वृद्धि के बिना मूल्यहास लागत में वृद्धि हुई है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना की जांच की गई है तथा प्रति इकाई मूल्यहास लागत में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है। किसी भी स्थिति में, यह भी नोट किया जाता है कि ब्याज एवं

मूल्यहास से पूर्व लाभ ने भी समान प्रवृत्ति का अनुसरण किया है तथा वर्ष 2024-25 में इसमें उल्लेखनीय गिरावट आई है और यह हानि में परिवर्तित हो गया है।

113. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट उपयोगिता लागत में वृद्धि के कारण होने संबंधी प्रस्तुतियों के संदर्भ में, महानिदेशक ने नोट किया कि घरेलू उद्योग की कुल उपयोगिता लागत उत्पादन में वृद्धि के कारण बढ़ी है। तथापि, जांच अवधि के दौरान विषय वस्तु के कुल उत्पादन लागत में घरेलू उद्योग की प्रति इकाई उपयोगिता लागत में कमी आई है। अतः, लाभप्रदता में गिरावट उपयोगिता लागत में वृद्धि के कारण नहीं है।
114. हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि कोरिया गणराज्य से आयातित वस्तुओं का पंहुच मूल्य वर्ष 2021-22 में भी अन्य देशों से आयातित वस्तुओं के पंहुच मूल्य से कम था तथा उस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई थी। महानिदेशक यह नोट करते हैं कि वर्ष 2021-22 में कोरिया आरपी से आयातों की मात्रा कम थी। वर्ष 2022-23 में, आयातों में वृद्धि हुई और वे घरेलू उद्योग की कीमतों से कम दरों पर होने लगे, जिसके कारण इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर दबाव पड़ा। वर्ष 2023-24 में, जबकि आयात और बढ़े, घरेलू उद्योग ने अपनी विक्रय लागत में कमी की, जिससे घरेलू उद्योग की कीमतों और लाभप्रदता में सुधार हुआ। तथापि, वर्ष 2024-25 में आयातों की कीमतों में कमी आई, जबकि उनकी मात्रा फिर से बढ़ गई। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तीव्र गिरावट देखी गई।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
संबद्ध आयात	मी.टन	6,484	16,371	35,203	42,157
निवल बिक्री प्राप्ति	₹/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	83	76
पंहुच कीमत	₹/मी.टन	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398

ix. क्षति संबंधी निष्कर्ष

115. उपरोक्त के आधार पर, महानिदेशक निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं:-

- क. विचाराधीन आयातों ने पूर्ण रूप से तथा उत्पादन एवं कुल आयातों के संबंध में भी महत्वपूर्ण वृद्धि दर प्रदर्शित की है।
- ख. विचाराधीन आयात घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य से कम कीमतों पर भारत में प्रवेश कर रहे हैं।
- ग. विचाराधीन आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को कम (अंडरकट) कर रहे हैं।
- घ. जहाँ विचाराधीन आयातों से मूल्य अंडरकटिंग सकारात्मक है, वहीं अन्य देशों से होने वाले आयातों से मूल्य अंडरकटिंग नकारात्मक है।
- ङ. आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास और न्यूनीकरण किया है।
- च. घरेलू उद्योग का विक्रय मूल्य, उसके कच्चे माल की लागत में हुई गिरावट की तुलना में कहीं अधिक घटा है।
- छ. यद्यपि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है, यह वृद्धि केवल लाभप्रदता से समझौता करने के कारण हुई है।
- ज. घरेलू उद्योग ने, पर्याप्त क्षमता होने के बावजूद संपूर्ण मांग को पूरा करने में सक्षम होने के बावजूद, विचाराधीन आयातों के कारण बाजार हिस्सेदारी खो दी है। इसके अतिरिक्त, समग्र रूप से भारतीय उद्योग ने भी बाजार हिस्सेदारी खो दी है।
- झ. लाभप्रदता से समझौता करने के बावजूद घरेलू उद्योग के पास माल-सूची (इन्वेंट्री) का संचय हुआ है।
- ञ. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है, जिसमें नकद लाभ तथा नियोजित पूंजी पर प्रतिफल में कमी शामिल है।
- ट. ब्याज एवं मूल्यह्रास को शामिल किए बिना भी लाभप्रदता में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है।

झ.4. कारणात्मक संबंध

116. घरेलू उद्योग के निष्पादन का, जैसा कि उपर्युक्त में वर्णित है, व्यापक मूल्यांकन यह प्रदर्शित करता है कि घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है। महानिदेशक ने यह जाँच

करने हेतु कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति शुल्क रियायतों के कारण हुई है, निम्नलिखित प्रावधान पर विचार किया है।

“अनुच्छेद 2.22: केवल संक्रमण अवधि के दौरान, यदि इस समझौते के अंतर्गत सीमा शुल्क में कमी अथवा समाप्ति के परिणामस्वरूप दूसरे पक्षकार के मूल की वस्तु किसी पक्षकार के क्षेत्र में समग्र रूप से अथवा घरेलू उत्पादन की तुलना में इतनी अधिक मात्रा में तथा ऐसी परिस्थितियों में आयातित की जा रही है कि दूसरे पक्षकार से ऐसी वस्तु का आयात अकेले ही समान अथवा प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति अथवा उसकी आशंका का एक महत्वपूर्ण कारण बनता है, तो संबंधित पक्षकार निम्नलिखित कर सकता है:-

(क) इस समझौते के अंतर्गत विनिर्दिष्ट उस वस्तु पर सीमा शुल्क की किसी दर में आगे की कमी को स्थगित करना; अथवा

(ख) उस वस्तु पर सीमा शुल्क की दर को उस स्तर तक बढ़ाना, जो निम्नलिखित में से कमतर स्तर से अधिक न हो:-

(i) उपाय लागू किए जाने के समय प्रभावी उस वस्तु पर लागू एमएफएन सीमा शुल्क दर; तथा

(ii) इस समझौते के प्रवर्तन की तिथि से ठीक पूर्व दिवस पर प्रभावी उस वस्तु पर लागू एमएफएन सीमा शुल्क दर।

4 स्पष्टता के उद्देश्य से, पक्षकार यह समझते हैं कि यदि गैर-पक्षकारों के क्षेत्र से आयात में वृद्धि होती है, तो किसी पक्षकार को द्विपक्षीय रक्षोपाय जांच प्रारंभ करने से रोका नहीं जाएगा। आगे की स्पष्टता हेतु, पक्षकार यह भी समझते हैं कि द्विपक्षीय संरक्षोपाय उपाय केवल दूसरी पक्षकार की वस्तु पर ही लगाए जा सकते हैं, जब उस दूसरी पक्षकार से ऐसी वस्तुओं के आयात में वृद्धि अकेले ही समान अथवा प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति की आशंका का एक महत्वपूर्ण कारण बनती हो।”

117. उक्त प्रावधान की भाषा तथा पाद-टिप्पणी में दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर यह नोट किया जाता है कि संबद्ध आयातों का क्षति का एकमात्र कारण होना आवश्यक नहीं है, तथापि उनका क्षति का एक महत्वपूर्ण कारण होना आवश्यक है। अतः यह

जाँच की गई कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति मुख्यतः शुल्क रियायतों तथा कोरिया गणराज्य से आयात में परिणामी वृद्धि के कारण है। यह भी जाँच की गई कि क्या संबद्ध आयातों में वृद्धि के अतिरिक्त कोई अन्य कारक घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति का कारण हो सकता था। तथापि, यह स्पष्ट रूप से समझा जाता है कि कोरियाई आयातों का घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एकमात्र कारण होना आवश्यक नहीं है। उद्योग अन्य कारकों के कारण भी क्षति का सामना कर रहा हो सकता है और इससे कोरियाई आयातों से हुई क्षति का अभाव सिद्ध नहीं होता है। तथापि, कोरिया से आयात स्वयं में क्षति का एक महत्वपूर्ण कारण होना चाहिए।

क. तीसरे देशों से आयात की मात्रा एवं कीमत

118. यह नोट किया जाता है कि कोरिया गणराज्य के अतिरिक्त अन्य देशों से आयात कुल आयातों का केवल 6% है। इसके अतिरिक्त, ऐसे आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अधिक कीमतों पर हुए हैं तथा हाल की अवधि में ऐसे आयातों से कीमत कटौती नकारात्मक है। अतः, घरेलू उद्योग को हुई क्षति को ऐसे अन्य देशों से आयात के लिए अभिप्रेत नहीं किया जा सकता है। अन्य देशों से आयात मात्रा की दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं हैं और इसलिए, क्षति ऐसे आयातों के कारण नहीं मानी जा सकती है।

ख. मांग में संकुचन

119. जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है। अतः, क्षति के लिए मांग में संकुचन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

ग. उपभोग के प्रवृत्ति

120. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि उपभोक्ता वरीयताओं ने घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित किया है। महानिदेशक यह नोट करते हैं कि ऐसे दावों का साक्ष्यों द्वारा समर्थन नहीं किया गया है। यह भी दावा किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुएँ ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं हैं। तथापि, घरेलू उद्योग ने यह प्रदर्शित करने हेतु साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं कि उसके उत्पाद अंतरराष्ट्रीय विनियमों (आरईएसीएच) के अनुरूप हैं तथा उपभोक्ता नियमित रूप से घरेलू उद्योग से भी क्रय करते हैं और संबद्ध वस्तुओं का आयात भी करते हैं। विशेष रूप से, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई है, जो यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग की बिक्री उपभोग की प्रवृत्ति में किसी परिवर्तन से प्रभावित नहीं हुई है।

121. इस अनुरोध के संबंध में कि क्षति उपभोक्ताओं द्वारा डी ई एच सी एच खरीदने की वरीयता के कारण है, अभिलेख पर उपलब्ध सूचना से यह प्रदर्शित होता है कि जिन ग्राहकों ने डी ई एच सी एच का आयात किया है, उन्होंने घरेलू उद्योग से डी ओ टी पी की खरीद जारी रखी है। अतः, उपभोग की प्रवृत्ति में परिवर्तन का कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

घ. प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियाँ एवं व्यापार-प्रतिबंधात्मक प्रथाएँ

122. ऐसी कोई व्यापार-प्रतिबंधात्मक प्रथाएँ अथवा प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियाँ नहीं हैं, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

ङ. प्रौद्योगिकी में विकास

123. घरेलू उद्योग द्वारा प्रौद्योगिकी अथवा संयंत्र में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं किया गया है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।

च. उत्पादकता

124. घरेलू उद्योग का कुल उत्पादन तथा प्रति दिवस एवं प्रति कर्मचारी उत्पादकता जांच अवधि के दौरान बढ़ी है। अतः, उत्पादकता में गिरावट के कारण क्षति नहीं हो सकती है।

छ. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

125. उपर्युक्त में जांच की गई क्षति संबंधी सूचना केवल घरेलू बाजार के संदर्भ में घरेलू उद्योग के निष्पादन से संबंधित है। अतः, क्षति के लिए घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

ज. अन्य उत्पादों का निष्पादन

126. क्षति के लिए कंपनी के अन्य उत्पादों के निष्पादन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है, क्योंकि घरेलू उद्योग ने केवल प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तुओं के संबंध में पृथक सूचना प्रदान की है।

झ. मुद्रा के मूल्य में उतार-चढ़ाव

127. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग को मुद्रा के मूल्य में उतार-चढ़ाव के कारण गंभीर क्षति हुई है। महानिदेशक यह नोट करते हैं कि अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने अपने अधिकांश उत्पाद घरेलू बाजार में बेचे हैं और ऐसी बिक्री विदेशी मुद्रा विनिमय में किसी उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होती है। दूसरी ओर, मुद्रा विनिमय में उतार-चढ़ाव से आयातित वस्तुओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना चाहिए, जिससे वे घरेलू उत्पाद की तुलना में कम आकर्षक हो जाएँ। तथापि, ऐसा होता हुआ नहीं देखा गया है।

ज. मूल्यहास लागत में वृद्धि एवं घरेलू उद्योग की अक्षमताएँ

128. हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि मूल्यहास में क्षमताओं की तुलना में अनुपातिक रूप से वृद्धि नहीं हुई है। जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, घरेलू उद्योग का प्रति इकाई मूल्यहास घटा है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग को वर्तमान ब्याज दायित्व एवं मूल्यहास को शामिल किए बिना भी लाभप्रदता में गिरावट का सामना करना पड़ा है, और इसलिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति मूल्यहास लागत के कारण नहीं है।
129. जहाँ तक इस दावे का संबंध है कि घरेलू उद्योग अक्षम है, यह नोट किया जाता है कि यह प्रदर्शित नहीं किया गया है कि घरेलू उद्योग की किसी अक्षमता ने केवल वर्ष 2024-25 के दौरान ही घरेलू उद्योग को प्रभावित किया, जबकि शेष जांच अवधि में ऐसा नहीं हुआ है। तथापि, इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। ऐसी स्थिति में, निष्पादन में आई गिरावट के लिए अंतर्निहित अक्षमता को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।
130. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी अनुरोध किया है कि प्रस्तुत समायोजन योजना घरेलू उद्योग को दक्ष बनाने से संबंधित है, जिससे यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग अक्षम है। यह नोट किया जाता है कि समायोजन योजना का उद्देश्य घरेलू उद्योग को अधिक दक्ष बनाना है ताकि रियायतों को पुनः अनुमत किए जाने के पश्चात वह प्रतिस्पर्धा कर सके। ऐसे उपायों में लागत-कटौती संबंधी उपाय सम्मिलित हैं, जो किसी उत्पादक को शुल्क-मुक्त आयातों के दृष्टिगत अपनी कीमत कम करने के लिए विवश होने पर भी लाभप्रदता बनाए रखने में सक्षम बनाएँगे। ऐसे उपायों का उपयोग यह दावा करने के आधार के रूप में नहीं किया जा सकता कि घरेलू उद्योग वर्तमान में अक्षम है।

ट. अन्य कारक

131. इस दावे के संबंध में कि क्षति कच्चे माल के आयात पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के कारण हुई है, महानिदेशक यह नोट करते हैं कि ऐसा पाटनरोधी शुल्क स्वयं कोरिया गणराज्य से कच्चे माल के आयात पर लगाया गया है। चूँकि कोई भी पाटनरोधी शुल्क अधिकतम पाटन मार्जिन की सीमा तक ही लगाया जा सकता है, इसका अभिप्राय यह है कि शुल्क लगाए जाने के पश्चात भारत में आयात कीमत अधिकतम कोरिया गणराज्य में कच्चे माल की कीमत के समकक्ष ही होगी। ऐसी स्थिति में, जहाँ तक कच्चे माल की कीमतों का संबंध है, घरेलू उत्पादक एवं कोरियाई उत्पादक एक-दूसरे के समकक्ष हैं।
132. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी दावा किया है कि क्षति कच्चे माल की कमी के कारण संयंत्र बंद होने, उत्पाद मिश्रण में परिवर्तन तथा रिएक्टरों के रखरखाव के कारण हुई है। इस संबंध में, यह नोट किया जाता है कि मशीनों की सफाई एवं नियमित रखरखाव को निरंतर सामान्य व्यावसायिक प्रचालन का भाग माना गया है तथा इसे क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है। इसके अतिरिक्त, यह भी नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पादों के संबंध में कच्चे माल की कमी के कारण किसी प्रकार का शटडाउन नवीनतम अवधि में नहीं हुआ है, जबकि इसी अवधि में घरेलू उद्योग को लाभप्रदता में गिरावट का सामना करना पड़ा है। वास्तव में, जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पादों का उत्पादन बढ़ा है।
133. उपरोक्त जांच के आधार पर, महानिदेशक यह निष्कर्ष निकालते हैं कि आवेदक को किसी अन्य कारक के कारण क्षति नहीं हुई है। निम्नलिखित कारक घरेलू उद्योग को हुई क्षति तथा कोरिया गणराज्य से बढ़े हुए आयातों के मध्य कारणात्मक संबंध को प्रदर्शित करते हैं:-
- i. संबद्ध आयातों में समग्र रूप से तथा भारतीय उत्पादन की तुलना में वृद्धि हुई है।
 - ii. शुल्क-मुक्त संबद्ध आयातों ने भारतीय उद्योग तथा अन्य देशों दोनों की बाजार हिस्सेदारी पर कब्जा कर लिया है।
 - iii. टैरिफ रियायतों के कारण संबद्ध आयातों की कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रही हैं।
 - iv. घरेलू उद्योग को अपनी लाभप्रदता से समझौता करते हुए कम कीमत वाले आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए बाध्य होना पड़ा है।

- v. इसके परिणामस्वरूप नवीनतम अवधि में इसकी लाभप्रदता में उल्लेखनीय गिरावट आई है।
 - vi. घरेलू उद्योग के नकद लाभ तथा नियोजित पूंजी पर प्रतिफल में अवधि के दौरान गिरावट आई है।
 - vii. रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना यह प्रदर्शित करती है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति शुल्क-मुक्त संबद्ध आयातों में वृद्धि के कारण हुई है।
134. विभिन्न मापदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विचार करते हुए यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग को कोरियाई आयातों को प्रदान की गई टैरिफ रियायतों के परिणामस्वरूप गंभीर क्षति हुई है, जिसके कारण कोरिया गणराज्य से संबद्ध आयातों में वृद्धि हुई।

ब. समायोजन योजना

135. घरेलू उद्योग ने आवेदन प्रस्तुत करते समय समायोजन योजना का विवरण प्रदान किया है। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि वह अपनी समायोजन योजना में उल्लिखित अनुसार उत्पादन लागत को कम करने हेतु उपाय कर रहा है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समायोजन योजना के संबंध में, महानिदेशक यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उन प्रस्तावित उपायों का विवरण प्रदान किया है जिन्हें वह द्विपक्षीय उपाय लगाए जाने की स्थिति में अपनाएगा। समायोजन योजना परिवर्ती एवं स्थिर लागतों को कम करने पर केंद्रित है। *** महानिदेशक यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने एक समायोजन योजना तैयार की है, जो उसे अपनी लागतों को कम करने तथा उचित लाभप्रदता बनाए रखते हुए कम कीमत वाले आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाएगी।

ट. जन हित

ट.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

136. जन हित के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:-
- i. जन हित के प्रश्न का विश्लेषण केवल तब किया जा सकता है जब यह स्थापित हो जाए कि आवेदन क्षेत्राधिकार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है तथा सीईपीए के अंतर्गत द्विपक्षीय रक्षोपाय लगाए जाने हेतु पूर्व-अपेक्षाओं की पूर्ति करता है।

- ii. डाउनस्ट्रीम उद्योग में एमएसएमई सम्मिलित हैं तथा यह सीमित लाभ मार्जिन पर कार्य करता है। उपाय लगाए जाने से डाउनस्ट्रीम उद्योग के लिए आपूर्ति की कमी अथवा कीमत दबाव उत्पन्न होगा। उपायों के परिणामस्वरूप घरेलू उत्पादकों को बाजार में प्रभुत्व प्राप्त हो जाएगा तथा वे कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकेंगे।
- iii. अपस्ट्रीम इनपुट, प्लास्टिसाइजर एवं फीडस्टॉक रसायनों पर लगाए गए व्यापार उपचार उपाय अनिवार्य रूप से उत्पादन श्रृंखला में आगे तक प्रभाव डालते हैं, जिससे पीवीसी यौगिकों की लागत तथा अंततः जूते, ऑटोमोटिव अवयव, अपहोल्स्ट्री सामग्री एवं उपभोक्ता वस्तुओं जैसे तैयार उत्पादों की लागत बढ़ जाती है। परिणामस्वरूप लागत वृद्धि का भार अंतिम उपभोक्ताओं पर स्थानांतरित करना पड़ सकता है।
- iv. उपायों के परिणामस्वरूप डाउनस्ट्रीम उद्योग की लागत में 2-4% तक वृद्धि होगी तथा उनके लाभ में कमी आएगी।
- v. उपाय लगाए जाने से स्वास्थ्य/सुरक्षा संबंधी चिंताओं वाले फथेलेट प्लास्टिसाइजरो की ओर स्थानांतरण हो सकता है तथा डाउनस्ट्रीम उद्योग में कार्यरत श्रमिकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।
- vi. उपाय लगाया जाना जन हित में नहीं है तथा इससे डाउनस्ट्रीम उद्योग को अनुमान से अधिक क्षति होगी।
- vii. जन हित संबंधी चिंताएँ विशेष रूप से डेहच के मामले में महत्वपूर्ण हैं, जिसकी आपूर्ति घरेलू उद्योग द्वारा नहीं की जाती है।
- viii. पाटन के आरोप द्विपक्षीय रक्षोपाय जांच में अप्रासंगिक हैं।
- ix. राजस्व सृजन रक्षोपायों का उद्देश्य नहीं है तथा यह उपाय लगाए जाने का वैध आधार नहीं है।
- x. मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक अस्थिरता ने कोरिया से आपूर्ति को प्रभावित किया है, जो प्रमुख फीडस्टॉक मध्य पूर्व से प्राप्त करता है।
- xi. पायल समूह, जो एक प्रमुख घरेलू आपूर्तिकर्ता एवं वर्तमान याचिका का समर्थक है, ने वर्तमान आपूर्ति व्यवस्थाओं के संबंध में अप्रत्याशित घटनाओं का उल्लेख किया है, पूर्व में सहमत अनुबंधों को निरस्त किया है तथा साथ ही पिछले 2 दिनों में अपनी कीमतों में लगभग 50-60% की वृद्धि की है।

- xii. यह तर्क कि मांग-आपूर्ति अंतराल नहीं है, भ्रामक है, क्योंकि आवेदक स्वयं बाजार में एक नया प्रवेशकर्ता है, जिसने वर्ष 2021-22 में उत्पादन प्रारंभ किया। इसके विपरीत, कोरिया से आयातों की जाँच एवं महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों में उपयोग हेतु प्रमाणीकरण किया जा चुका है।
- xiii. 7.5% शुल्क लगाए जाने से चिकित्सा उपकरणों में प्रयुक्त पीवीसी यौगिक की लागत में 2.5-2.8% की वृद्धि होगी।

ट.2. घरेलू उद्योग के विचार

137. जन हित के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:-

- i. उपाय लगाए जाने से आम जनता एवं अन्य हितधारकों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- ii. उपाय लगाए जाने से घरेलू उद्योग भारतीय बाजार में व्यवहार्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त, नए उत्पादकों ने भारत में क्षमताएँ स्थापित की हैं तथा आगे भी क्षमताएँ स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। उपाय लगाए जाने से अन्य घरेलू उत्पादकों को निवेश करने एवं उत्पादन क्षमताएँ विकसित करने में सहायता मिलेगी।
- iii. कोरिया के निर्यातकों पर संयुक्त राज्य अमेरिका में पाटनरोधी शुल्क लगाए गए हैं। ऐसे उपायों के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में संबद्ध वस्तुओं का बाजार सीमित हो गया है तथा यह संभावना है कि निर्यातक अपनी आपूर्ति भारत की ओर कर दें। यदि घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धा करने के लिए समय प्रदान करने हेतु उपाय नहीं लगाए गए, तो देश पूर्णतः आयातों पर निर्भर हो जाएगा।
- iv. उपाय न लगाए जाने की स्थिति में विनिर्माण अव्यवहार्य हो जाएगा तथा घरेलू उत्पादकों को व्यापारियों के रूप में कार्य करने के लिए विवश होना पड़ेगा, क्योंकि ऐसे उत्पादकों को उत्पादन गतिविधियों में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहन नहीं मिलेगा। इससे देश में सकल घरेलू उत्पाद एवं रोजगार की हानि होगी।
- v. निवेश को प्रोत्साहित करने एवं सरकार की “मेक इन इंडिया” पहलों की सफलता सुनिश्चित करने हेतु उपाय लगाया जाना आवश्यक है। उपाय लगाया जाना उत्पादकों की व्यवहार्यता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा उपभोक्ताओं पर ऐसे उपायों का प्रभाव नगण्य होगा।

- vi. उपाय लगाए जाने से घरेलू उद्योग प्रतिस्पर्धी बना रहेगा। घरेलू स्रोतों से खरीद की स्थिति में उपभोक्ताओं को कम मालसूची बनाए रखने की आवश्यकता होगी।
- vii. घरेलू उद्योग ने अतिरिक्त शुल्क लगाने का अनुरोध नहीं किया है, बल्कि केवल सीईपीए के अंतर्गत दी गई रियायतों को वापस लेने तथा एमएफएन दर पर सीमा शुल्क पुनः लागू करने का अनुरोध किया है। ऐसे शुल्क का प्रभाव नगण्य होगा।
- viii. संबद्ध वस्तुएँ अंतिम उपयोग के उत्पादों का केवल एक छोटा भाग हैं तथा उपायों का कोई भी प्रभाव न्यूनतम होगा।
- ix. घरेलू उद्योग के पास भारत की मांग को पूरा करने हेतु पर्याप्त क्षमता उपलब्ध है तथा देश में मांग-आपूर्ति का कोई अंतर नहीं है।
- x. उपयोगकर्ता दीर्घकालिक अनुबंधों के आधार पर उत्पादों की खरीद नहीं करते हैं तथा घरेलू उद्योग से वस्तुएँ प्राप्त करने हेतु आसानी से आपूर्तिकर्ताओं को बदल सकते हैं।
- xi. बाजार में पर्याप्त क्षमता वाले अनेक उत्पादक उपलब्ध हैं, जो मांग की पूर्ति करने में सक्षम हैं। उनके मध्य प्रतिस्पर्धा भारतीय बाजार में उचित मूल्यों को सुनिश्चित करेगी।
- xii. शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार होगा तथा पर्यावरण एवं सामाजिक रूप से कमजोर समुदायों के लाभ हेतु निष्पादन-आधारित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों को प्रोत्साहन मिलेगा।
- xiii. सीमा शुल्क लगाए जाने से ₹ 3,822 लाख रुपये की राशि के शुल्क का संग्रह संभव होगा, जो अन्यथा राजस्व हानि के रूप में गंवाई जा रही है।
- xiv. संबद्ध वस्तुओं के कई डाउनस्ट्रीम उत्पादों, जैसे दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, पेंट एवं वार्निश पर जीएसटी में कमी की गई है। परिणामस्वरूप, उपाय लगाए जाने से उत्पन्न कोई भी प्रभाव जीएसटी दरों में कमी के कारण निष्प्रभावी हो जाएगा।
- xv. घरेलू उद्योग ने अनेक ऐसे उपभोक्ताओं को आपूर्ति की है जो चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन करते हैं।

ट.3. महानिदेशक द्वारा जाँच

138. यद्यपि नियमावली के अंतर्गत महानिदेशक के लिए यह जाँच करना आवश्यक नहीं है कि उपाय लगाया जाना जन हित में होगा या नहीं, तथापि महानिदेशक ने यह जाँच की है कि क्या रक्षोपाय लगाया जाना व्यापक जन हित में होगा। इसके लिए अन्य बातों के साथ-साथ विभिन्न हितधारकों पर रक्षोपायों के प्रभाव का मूल्यांकन तथा विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के परस्पर प्रतिस्पर्धी हितों को ध्यान में रखते हुए संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इस उद्देश्य से, महानिदेशक ने सभी हितबद्ध पक्षकारों, जिनमें आवेदक, अन्य उत्पादक, निर्यातक, आयातक, प्रयोक्ता तथा कोरिया गणराज्य की सरकार सम्मिलित हैं, से विचार आमंत्रित किए। प्रस्तावित उपायों के सभी हितबद्ध पक्षकारों पर प्रभाव की जाँच करने हेतु महानिदेशक ने आर्थिक हित प्रश्नावली के माध्यम से संगत सूचना भी प्राप्त की।
139. जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, शुल्क-मुक्त संबद्ध वस्तुओं के आयातों ने घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचाई है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है तथा बिल्कुल हाल की अवधि में उसे भारी वित्तीय एवं नकद हानियाँ हुई हैं। इससे भारत में घरेलू उत्पादकों की व्यवहार्यता संकटग्रस्त हो गई है। इसके अतिरिक्त, नए उत्पादक भी बाजार में प्रवेश कर चुके हैं, जो वर्तमान कीमतों पर बिक्री करने के लिए विवश होने की स्थिति में व्यवहार्य नहीं रह सकते हैं। यह नोट किया जाता है कि उपाय लगाए जाने से घरेलू उद्योग एवं अन्य उत्पादकों को कम कीमत वाले आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने हेतु आवश्यक समायोजन करने के लिए समय प्राप्त होगा।
140. महानिदेशक ने एक प्रयोक्ता प्रश्नावली निर्धारित की थी, जिसमें प्रयोक्ताओं ने उपभोक्ताओं के अंतिम उत्पादों की अंतिम लागत एवं कीमत पर उपायों के प्रभाव संबंधी सूचना प्रदान की। प्रस्तावित उपायों के प्रभाव का निर्धारण करने के उद्देश्य से प्रयोक्ताओं एवं घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना पर विचार किया गया है। यह नोट किया जाता है कि वर्तमान उपाय किसी अतिरिक्त शुल्क को लगाने के उद्देश्य से नहीं हैं, बल्कि केवल पूर्व में प्रदान की गई रियायतों को वापस लेने के उद्देश्य से हैं, वह भी केवल कोरिया गणराज्य से आयातों के संबंध में। अन्य सभी स्रोतों से आयात प्रस्तावित उपायों से पूर्णतः अप्रभावित हैं। इसके अतिरिक्त, प्रस्तावित उपाय कोरियाई आयातों को अन्य देशों से आयातों के समकक्ष ला देंगे, अर्थात् ऐसे आयातों पर एमएफएन शुल्क दर लागू होगी।
141. इस तर्क के संबंध में कि द्विपक्षीय रक्षोपाय लगाए जाने से डाउनस्ट्रीम उत्पाद की लागत में वृद्धि होगी तथा डाउनस्ट्रीम उद्योग प्रभावित होगा, महानिदेशक यह नोट करते हैं कि रियायतों को हटाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित होंगे। तथापि, यद्यपि प्रयोक्ताओं ने आर्थिक हित प्रश्नावली प्रस्तुत की है, उन्होंने अपने उत्तरों

में डाउनस्ट्रीम उत्पाद पर किसी प्रभाव का मात्रात्मक निर्धारण नहीं किया है। घरेलू उद्योग ने डाउनस्ट्रीम उत्पादों, अर्थात् फुटवियर तथा तार एवं केबल, पर प्रभाव संबंधी गणनाएँ प्रस्तुत की हैं। प्रस्तुत गणनाएँ यह दर्शाती हैं कि ऐसे उत्पादों पर उपायों का प्रभाव नगण्य है। अतः, अंतिम उपभोक्ता उत्पाद पर उपायों का प्रभाव अत्यंत अल्प होगा।

142. घरेलू उद्योग द्वारा यह इंगित किया गया है कि संबद्ध वस्तुओं के अनेक अन्य अंतिम उपयोग उत्पादों, जैसे दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन तथा पेंट एवं वार्निश पर जीएसटी में कमी की गई है। यह नोट किया जाता है कि कर भार में ऐसी कमी का प्रभाव डाउनस्ट्रीम उद्योग एवं अंतिम उपभोक्ताओं को लागत लाभ प्रदान करेगा।
143. इस संबंध में, यह नोट किया जाता है कि मांग-आपूर्ति का कोई अंतर नहीं है तथा घरेलू उद्योग के पास मांग में किसी भी वृद्धि को पूरा करने हेतु पर्याप्त क्षमता उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, नए उत्पादक भारतीय बाजार में प्रवेश कर चुके हैं, जो प्रतिस्पर्धी आपूर्ति विकल्प सुनिश्चित करने में भी योगदान दे सकते हैं। यह चिंता कि उपायों के परिणामस्वरूप स्वास्थ्य/सुरक्षा संबंधी चिंताओं वाले फथेलेट प्लास्टिसाइजर्स की ओर स्थानांतरण होगा, का भी समाधान हो जाएगा, क्योंकि देश में पर्याप्त क्षमताएँ उपलब्ध हैं, जिससे सभी प्रयोक्ता घरेलू स्तर पर उत्पाद की खरीद कर सकेंगे। किसी भी स्थिति में, उपाय लगाया जाना अस्थायी है तथा पक्षकार एमएफएन शुल्क पर उत्पादों का आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं।
144. घरेलू उद्योग द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि कोरिया गणराज्य के निर्यातकों पर संयुक्त राज्य अमेरिका में पाटनरोधी शुल्क लगाए गए हैं। यह नोट किया जाता है कि ऐसे उपायों के कारण संबद्ध वस्तुओं का बाजार सीमित हो गया है तथा रियायती शुल्क के कारण निर्यातकों को भारत एक आकर्षक बाजार प्रतीत होता है।

ठ. निष्कर्ष और सिफारिशें

145. सभी हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों के आधार पर, महानिदेशक निम्नानुसार नोट करते हैं:-
- आवेदक द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देश से आयातित वस्तु के समान एवं प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु है।

- ii. यह आवेदन ऐसे घरेलू उत्पादक द्वारा प्रस्तुत किया गया है जिसका कुल उत्पादन में 62% हिस्सा है। आवेदक नियमावली के अनुसार स्थिति संबंधी आवश्यकता को पूरा करता है।
- iii. कोरिया से आयातों पर मूल सीमा शुल्क समाप्त किए जाने के कारण संबद्ध आयातों में समग्र रूप से तथा भारत में उत्पादन की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- iv. विचाराधीन आयात घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य से कम कीमतों पर भारत में प्रवेश कर रहे हैं।
- v. कीमत कटौती केवल मूल सीमा शुल्क समाप्त किए जाने के कारण सकारात्मक है। यदि लागू एमएफएन सीमा शुल्क लगाया गया होता, तो कोरिया से आयातों का मूल्य घरेलू उत्पादकों एवं अन्य आयातों की कीमतों से अधिक होता।
- vi. जहाँ संबद्ध आयातों की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है, वहीं भारतीय उद्योग तथा अन्य देशों की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आई है।
- vii. यद्यपि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं बिक्री में वृद्धि हुई, तथापि यह केवल इस कारण संभव हुआ कि घरेलू उद्योग ने अपनी लाभप्रदता से समझौता किया।
- viii. लाभप्रदता से समझौता करने के बावजूद घरेलू उद्योग की औसत मालसूची में वृद्धि हुई है।
- ix. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अवधि के दौरान गिरावट आई है।
- x. घरेलू उद्योग के नकद लाभों में कमी आई है, तथा उसके नियोजित पूंजी पर प्रतिफल में भी गिरावट आई है।
- xi. बढ़े हुए आयातों ने घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचाई है।
- xii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति के कारण के रूप में किसी अन्य कारक को सिद्ध नहीं किया गया है।

- xiii. बढ़े हुए आयातों एवं घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति के मध्य कारणात्मक संबंध विद्यमान है।
- xiv. घरेलू उद्योग द्वारा कार्यान्वित किए जाने हेतु प्रस्तावित समायोजन योजना उसे प्रतिस्पर्धात्मकता प्राप्त करने एवं लाभ बनाए रखने में पर्याप्त रूप से सक्षम बनाएगी।
- xv. रियायतों को वापस लेने से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निवारण होगा।
- xvi. विचाराधीन उत्पाद डाउनस्ट्रीम उत्पाद का महत्वपूर्ण भाग नहीं है तथा इसका डाउनस्ट्रीम उद्योग पर नगण्य प्रभाव पड़ेगा।
- xvii. घरेलू उद्योग के पास संपूर्ण मांग को पूरा करने हेतु पर्याप्त क्षमता उपलब्ध है।
146. अतः, नियमावली के नियम 10 के अंतर्गत द्विपक्षीय रक्षोपाय की सिफारिश करना उपयुक्त माना जाता है। तदनुसार, महानिदेशक कोरिया गणराज्य के मूल की संबद्ध वस्तु के आयातों पर रियायतों को वापस लेने तथा निम्नलिखित में से कमतर स्तर तक सीमा शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं:-
- क. द्विपक्षीय रक्षोपाय लागू किए जाने की तारीख को संबद्ध वस्तुओं पर लागू परम मित्र राष्ट्र सीमा शुल्क दर; अथवा
- ख. सीईपीए के प्रवर्तन की तारीख से बिल्कुल पूर्ववर्ती दिन पर संबद्ध वस्तुओं पर लागू परम मित्र राष्ट्र सीमा शुल्क दर।
147. इस उपाय की सिफारिश, इस संबंध में वित्त मंत्रालय द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से नीचे दी गई तालिका के अनुसार दो वर्ष की अवधि के लिए की जाती है।

वर्ष	सिफारिश किए गए उपायों का विवरण
वर्ष 1	सीमा शुल्क की दर को 100% तक बढ़ाकर परम मित्र राष्ट्र' पर लागू सीमा शुल्क की दर के स्तर तक लाना।
वर्ष 2	सीमा शुल्क की दर को 75% तक बढ़ाकर परम मित्र राष्ट्र' पर लागू सीमा शुल्क की दर के स्तर तक लाना।